सिंधु जल संधि पर भारत अपने... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रश्मिका मंदाना फिर करेंगी अल्लू... 11

वर्ष - 02, अंक - 91 | गाजियाबाद / शनिवार 04 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

तीसरे शख्स को पता थी केतन अग्रवाल के मर्डर की प्लानिंग

- पुणे हत्याकांड में दावा-सिया-चेतन ने उसे बताया था

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या केतन में किसी

एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है। वहीं, पुलिस सूत्रों के हवाले से जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी चेतन चौधरी और सिया ने वारदात से पहले 'क्राइम पेट्रोल' देखा था।

ई-रिक्शा को बीच सड़क पर रोकने वाले चीनी एप होंगे बंद

- केंद्र सरकार की सख्ती,प्लेस्टोर से हटाने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ई-रिक्शा को दूर से रोकने वाले दो चीनी ऐप्स अब बंद होंगे। केंद्र सरकार ने बीएटी और बीएमएस ऐप्स नाम के इन ऐप्स को ऐप स्टोर से हटाने का आदेश दे दिया है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसे ऐसे तीन ऐप के बारे में पता चला था और उन्हें ऐप स्टोर से हटा

दिया गया है। आईटी सेक्रेटरी एस. कृष्णन ने जोर देकर कहा कि ऐप स्टोर को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को उनके सामने उठाएगी ताकि यह पक्का किया जा सके कि नुकसान पहुंचाने वाले ऐप उपलब्ध न हों। इस मामले में कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कृष्णन ने कहा,यह सच है... कुछ ऐप हैं जिनके बारे में हमें कल पता चला और उन दोनों को ऐप स्टोर से हटा दिया गया है।

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई...

खामेनेई को भारत ने पेश की खिराज-ए-अकीदत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए हफ्ते पर चलने वाला अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम कल 4 जुलाई को शुरू होगा, जो 9 जुलाई को पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाने के साथ पूरा

होगा। मशहद खामेनेई का गृह नगर भी है। इसके पहले शुक्रवार को अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के शवों को इमाम खुमैनी ग्रैड मोसाला मस्जिद में लाया गया, जहां लोगों को उन्हें श्रद्धांजलि देते देखा गया। शुक्रवार को भारत से पहुंचे धर्म गुरुओं ने भी ईरान के सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलि दी।

आ गया मानसून, छा गया मानसून

- हिमाचल से लेकर एमपी तक झमाझम बारिश
- उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़,किन्नौर में लैंडस्लाइड
- गुजरात में बच्चे पानी में बहे,कई गाड़ियां दबीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 49 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गई, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गई। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पत्थर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

राजस्थान में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश

बिहार में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में तेज हवा चलेगी। राजस्थान में 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को खंडवा और हरदा में भारी बारिश का रेड अलर्ट है जबकि धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, बुरहानपुर और बैतूल में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है।

मानसून 3 दिन देरी से आया, पूरा देश कवर करेगा

मानसून ने 1 जून की जगह 3 दिन लेट 4 जून को भारत में एंट्री ली थी। इस दौरान कई राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। बीच-बीच में ब्रेक मानसून जैसी स्थिति बनने से यह आशंका जताई जाने लगी थी कि इस बार मानसून पूरे देश को सामान्य समय से देर से कवर करेगा। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में बंगाल की खाड़ी में बने मौसम तंत्र और अनुकूल परिस्थितियों के कारण मानसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली। मौसम विभाग के अनुसार, 5 जुलाई तक मानसून के पूरे देश को कवर करने की संभावना है, जबकि इसका सामान्य समय 8 जुलाई माना जाता है। यानी शुरुआती सुस्ती के बावजूद मानसून अपनी सामान्य प्रगति के करीब पहुंच गया है। हाल ही में मौसम विभाग ने बताया था कि अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में भी मानसून तेजी से आगे बढ़ेगा।

जेल जा सकते हैं चंपत राय और अनिल मिश्रा!

- विनय कटियार बोले-राम मंदिर चोरी पर रात 2 बजे पीएम मोदी से बात हुई

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा नेता विनय कटियार ने शुक्रवार को कहा कि यह साफ है कि पैसों का गबन हुआ है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव किसी कारण से बच गए, जेल नहीं गए। हो सकता है कि आगे जेल जाएं। उन्होंने

अयोध्या में न्यूज एजेंसी से कहा- मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रात 2 बजे बात हुई। पीएम ने पूछा- अरे भाई, क्या-क्या होगा अब। मैंने उसने कहा- कुछ नहीं, सब ठीक हो जाएगा। इधर, स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम दूसरे दिन जांच के लिए मंदिर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, टीम गोपाल राव से पूछताछ कर रही है। वहीं, आरोपी अविनाश शुक्ला को पुलिस ने 24 घंटे की कस्टडी में ले लिया है। पुलिस शुक्रवार सुबह 9 बजे अयोध्या जेल पहुंची। वहां से अविनाश को लेकर पुलिस लाइन आई। 2 घंटे कड़ी पूछताछ की। फिर उसे लेकर प्रतापगढ़ रवाना हो गई।

मोदी सरकार में होगी बिहार से नए मंत्रियों की एंट्री

अब मिलेगा विवेक ठाकुर और मनन मिश्रा को मौका!

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट की सूरत पूरी तरह नहीं पर बदलने वाली है। पीएम मोदी के आसपास बैठने वाले कुछ चेहरे हटेंगे तो कुछ नए चेहरे आयेंगे। पर इस बदलाव में कौन नया चेहरा मंत्रिपरिषद में शामिल होगा और कौन नामचीन चेहरा मंत्रिपरिषद से बाहर होगा, यह कहना उतना आसान नहीं, जितनी रिपोर्ट मीडिया का स्पेस ले रही हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के इस चर्चा में बिहार भी शामिल है। वजह इसकी यह भी है कि साझा सामाजिक, संस्कृति के तहत यूपी और बिहार का अपना कनेक्शन है। और तो और यूपी में योगी सरकार का हैट्रिक दांव पर लगा है।

बिहार से फेर बदल की गुंजाइश कम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कार्य करने के तरीकों पर नजर डाले तो इस बार मंत्रिमंडल विस्तार को ले कर बिहार को लेकर किसी फेरबदल की गुंजाइश काफी कम है। बिहार से कुल आठ मंत्री में चार मंत्री तो गठबंधन दल के हैं। तीन तो पार्टी के बड़े चेहरे हैं। यहां पीएम नरेंद्र मोदी कुछ नहीं थोप पाएंगे। ऐसे में जदयू के केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर के मंत्रिपरिषद से हटने का खतरा नहीं है। नीतिश कुमार के केंद्रीय मंत्री बनने को ले कर जो चर्चा का बाजार गर्म है ,उसमें कोई तार्किक बात निकल कर सामने नहीं आई।

सरकारी कामकाज को लेकर ऐक्शन में थलपति विजय

- विभागवार समीक्षा बैठक कर अधिकारियों से मांगा प्लान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय सरकार के कामकाज को लेकर एक्शन मोड में हैं। सीएम विजय ने विभाग-वार समीक्षा बैठकों की एक बड़ी सीरीज शुरू की है। इसका मकसद शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म गवर्नेंस रणनीतियां

तैयार करना है। अधिकारियों को हर विभाग के लिए एक साल, तीन साल और पांच साल के व्यापक ऐक्शन प्लान बनाने का काम सौंपा गया है। 22 जुलाई तक चलने वाली इस समीक्षा प्रक्रिया में मुख्य सरकारी विभागों के कामकाज का आकलन करने, लागू करने में आने वाली चुनौतियों की पहचान करने और आने वाले वर्षों में सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए मापने योग्य लक्ष्य तय करने की उम्मीद है।

सोनम रघुवंशी की जमानत पर नहीं लग पाई है रोक

- सुप्रीम कोर्ट बोला-टाइपिंग की गलती को बनाया आधार

न्यायालय ने कहा-रिहाई न हुई होती तो बेल रद्द कर देते

इंदौर/नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं लेकिन सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने मेघालय सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की।

सॉलिसिटर जनरल बोले-टाइपिंग की गलती से बदली धारा- सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कोर्ट के सामने कहा- गिरफ्तारी से जुड़े दस्तावेजों में हत्या से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) की जगह गलती से धारा 403(1) लिख दी गई थी। यह टाइपो एरर है। हाईकोर्ट ने इसी आधार पर जमानत दी है। मजिस्ट्रेट ने आरोपी को गिरफ्तारी के आधार समझाए थे। ट्रांजिट रिमांड देते समय भी इसका रिकॉर्ड मौजूद है। उन्होंने कहा- पहले इसी मामले में जमानत मेरिट के आधार पर खारिज हो चुकी थी। बाद में इस तकनीकी गलती को आधार बनाकर राहत दे दी।

कोर्ट ने पूछा- गलत धारा लिखने के कारण जमानत देना सही

जस्टिस सुंदरेश ने सोनम की तरफ से पेश वकील से पूछा कि गिरफ्तारी के आधार पहले ही बताए जा चुके थे। शुरुआती जमानत याचिकाओं में यह मुद्दा कभी नहीं उठाया गया। फिर अचानक इसी तकनीकी आधार पर जमानत कैसे मांगी गई। क्या केवल गलत धारा लिखे जाने के कारण हाईकोर्ट का जमानत देना सही फैसला था। इस पर सोनम के वकील ने दावा किया कि सोनम को कभी गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए। तब जस्टिस सुंदरेश ने कहा- यदि ऐसा था तो यह आपत्ति पहले क्यों नहीं उठाई गई। कोर्ट ने कहा- अगर सोनम रिहा नहीं हुई होती तो हम जमानत पर रोक लगा देते। यदि आवश्यक है तो राज्य सरकार कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

अमरनाथ यात्रा शुरू, पहले दिन 9 हजार ने किया दर्शन

हर 2 किमी पर ऑक्सीजन बूथ, बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए

जम्मू (एजेंसी) 57 दिन की अमरनाथ यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई। यात्रा का पहला जत्था गांदरबल जिले के बालटाल और अनंतनाग जिले के पहलगाम (नुनवान) बेस कैंप से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4,822 श्रद्धालु शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु गुरुवार को बेस कैंप में पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के मुताबिक, पहले जत्थे के श्रद्धालुओं के साथ जवान और अन्य व्यवस्थाओं में लगे लोग मिलाकर कुल 9 हजार लोगों ने दर्शन किया। यात्रा मार्ग पर हर 2 किलोमीटर पर

ऑक्सीजन बूथ बनाए गए हैं। दोमेल रूट पर चार जगह बड़ी स्क्रीन के जरिए मौसम की जानकारी दी जा रही है। बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं। अमरनाथ यात्रा दो रास्तों से की जाती है। पारंपरिक रास्ता 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम से है। दूसरा रास्ता गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल से है।

दूसरा जत्था आज सुबह रवाना होगा- अमरनाथ यात्रा के दूसरे जत्थे के 3,865 श्रद्धालु शुक्रवार देर शाम कश्मीर पहुंचेंगे। इनमें 1,735 श्रद्धालु 115 वाहनों से बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं, जबकि 2,130 श्रद्धालु 86 वाहनों से पारंपरिक पहलगाम मार्ग की ओर रवाना हुए। शनिवार सुबह 3,865 श्रद्धालुओं को बालटाल और नुनवान-पहलगाम बेस कैंपों से पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा। कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद तुरंत नीचे लौटने की सलाह दी गई है।

दोनों रूट पर 100-100 बेड के अस्पताल

दोनों यात्रा मार्गों पर एक हजार डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी तैनात हैं। दोनों जगह 100-100 बेड के अत्याधुनिक अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। बालटाल (गांदरबल): यात्रा करते वक्त तबीयत बिगड़ती है तो सबसे पहले डोमेल गेट के पास ही 'मेडिकल एड सेंटर' है। फिर रेलपथरी पर इमरजेंसी मेडिकल सहायता केंद्र है। बरारी पर मेडिकल कैंप और ऑक्सीजन मिल जाएगी। फिर संगम टॉप पर आपातकालीन चिकित्सा केंद्र है। नुनवान (पहलगाम): नुनवान बेस कैंप पर बड़ा मेडिकल अस्पताल है। चंदनवाड़ी में 100 बिस्तर का मुख्य बेस अस्पताल बनाया गया है। चढ़ाई से पहले यहां जांच करा सकते हैं। पिस्सू टॉप पर भी मेडिकल एड सेंटर है। फिर शेषनाग कैंप में रात्रि विश्राम पड़ाव पर बेस अस्पताल बनाया गया है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड: पॉलीग्राफी टेस्ट से खुलेगा सच?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोहगढ़ किले पर 18 जून को रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत अब पुलिस जांच में नया मोड़ ले लिया है। केतन की मौत के मामले में मुख्य आरोपी सिया गोयल (20) और उनके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) पर केतन की हत्या करने का आरोप है। पुलिस का मानना है कि इन दोनों ने मिलकर केतन को खाई में धकेला, लेकिन अभी तक कोई सीधा गवाह या ठोस सबूत नहीं मिल पाया है, जिसके कारण जांच में गतिरोध बना हुआ है। इसकारण पुणे पुलिस ने अब इस केस को आगे बढ़ाने के लिए पॉलीग्राफी टेस्ट का सहारा लेने का फैसला किया है और इसके लिए कोर्ट से अनुमति भी मांग ली गई है। पॉलीग्राफी टेस्ट, इस अक्सर झूठ पकड़ने वाला कहा जाता है, पूरी तरह से सटीक नहीं होता। यह दरअसल किसी व्यक्ति के शरीर में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, जैसे दिल की धड़कन, रक्तचाप, सांस लेने की दर और पसीने को मापता है। ये परिवर्तन आमतौर पर तब होते हैं जब व्यक्ति तनाव में होता है या झूठ बोल रहा होता है। टेस्ट की शुरुआत एक प्री-टेस्ट इंटरव्यू से होती है, जहाँ परीक्षक आरोपी से बातचीत कर केस और प्रक्रिया समझाता है। इसके बाद, आरोपी के शरीर पर कई सेंसर लगाए जाते हैं, जो इन शारीरिक प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करते हैं। इस डेटा का विश्लेषण कर परीक्षक यह अनुमान लगाता है कि क्या व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ। सिया गोयल के पॉलीग्राफी टेस्ट से पुलिस को इस जटिल मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे केतन अग्रवाल की मौत का सच सामने आ सकता है।

एटा में दर्दनाक तिहरा सड़क हादसा, 5 की मौत, दर्जनभर घायल

- खड़ी बस से टकराए दो वाहन; सीएम योगी ने लिया संज्ञान, जांच शुरू

(एजेंसी)। एटा जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि करीब दर्जनभर लोग घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा बागवाला थाना क्षेत्र के कीलर मऊ के पास हुआ, जब सड़क किनारे खराब खड़ी रोडवेज बस से एक कैंटर और उसके बाद एक सीएनजी टैंकर टकरा गए। जानकारी के अनुसार, एटा डिपो की एक बस खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान, पीछे से तेज गति से आ रहे एक कैंटर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कुछ ही पल बाद, एक सीएनजी टैंकर भी इन वाहनों से जा भिड़ा, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। इस खौफनाक तिहरे हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को तत्काल राहत-बचाव कार्य के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सीएनजी टैंकर होने के चलते दमकल विभाग ने स्थिति को सुरक्षित किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और मृतकों की पहचान स्थापित की जा रही है। रास्ते को क्लियर कर दिया गया है।

मुरादाबाद रामकुंवर हत्याकांड: 3 दोषियों की उम्रकैद बरकरार, 15 दिन में करना होगा सरेंडर

मुरादाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद के बहुचर्चित रामकुंवर हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने तीनों दोषियों बलिस्टर, महेश और नरेश की अपीलें खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और चिकित्सीय रिपोर्ट अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि करते हैं। खंडपीठ ने तीनों दोषियों को 15 दिन के भीतर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएंगे। यह सनसनीखेज वारदात 27 सितंबर 1987 की रात मुरादाबाद के थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव बसेरा में हुई थी। मंदिर से अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे राम कुंवर को अभियुक्तों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को घसीटते हुए जंगल ले गए तथा सिर धड़ से अलग कर दिया। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह महेश की बहन को भगाने के लेकर रामकुंवर के खिलाफ दर्ज कराया गया पुराना मुकदमा था। बचाव पक्ष ने एफआईआर में देरी और गवाहों के रिश्तेदार होने का हवाला देकर बरी किए जाने की मांग की, लेकिन हाई कोर्ट ने पाया कि प्राथमिकी घटना के साढ़े चार घंटे के भीतर दर्ज हुई थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल रिश्तेदार होने के आधार पर गवाही खारिज नहीं की जा सकती। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज कर दिया।

सोनमर्ग अटल टनल के पास सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 6 जवान घायल

-घायल जवानों का अस्पताल में इलाज जारी, हादसे के कारणों की जांच शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग अटल टनल के पास शुक्रवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सड़क से फिसलकर वाहन पलट जाने से उसमें सवार छह जवान घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के हवाले से मिडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के निकट से गुजर रहा था। इसी दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सुरक्षा बलों और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया तथा घायल जवानों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय और संवेदनशील मार्ग होने के कारण यहां मौसम और सड़क की परिस्थितियां अक्सर चुनौतीपूर्ण रहती है।

सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

–अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपत्तियां खारिज

–हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों की अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तकनीकी विवादों पर पहले न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। भारत का आरोप है कि इस प्रक्रिया का पालन किए बिना समानांतर मध्यस्थता शुरू की गई, जिसे उसने स्वीकार नहीं किया। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के महानिदेशक सुजान चिनॉय ने अपने एक विश्लेषण में कहा है, कि भारत ने संधि को स्थगित करने से पहले विश्व बैंक से न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल की खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतर्राष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे की कूटनीतिक एवं कानूनी प्रक्रिया पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बागेश्वर धाम पहुंचे अनंत अंबानी, पूजा-अर्चना की, हाथ में थामी गदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने बागेश्वर धाम पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह धीरेंद्र शास्त्री के साथ पूजा में शामिल हुए। एक वीडियो में अनंत को धीरेंद्र शास्त्री के साथ हाथ में गदा थामे देखा गया। धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हैं, वह कथा सुनाते हैं। बता दें कुछ दिन पहले अनंत अंबानी ने आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए थे। इस दौरान उन्होंने वहां की सालों पुरानी धार्मिक परंपरा का पालन करते हुए अपने केश भी दान किए। तिरुमला में केश दान को धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है। श्रद्धालु केश दान को भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और विनम्रता का प्रतीक मानते है। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर या किसी विशेष संकल्प के तहत भी अपने केश अर्पित करते हैं। तिरुमला में केश दान की यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है।

बेंगलुरु डे-केयर केस: वीडियो में मासूमों को टॉर्चर करने वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में मासूमों के साथ बर्बरता के चर्चित डे-केयर मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने विजयलक्ष्मी नामक महिला को गिरफ्तार किया है, जो वायरल वीडियो फुटेज में बच्चों को अमानवीय रूप से प्रताड़ित करती दिख रही थी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वे गुरुवार को पेश नहीं हुए।

यह गंभीर मामला ब्रुकफील्ड इलाके में स्थित प्रतिष्ठित आईटी कंपनी कैपजेमिनी के कैंपस के भीतर चल रहे डे-केयर सेंटर से जुड़ा है। यहां दो से तीन साल के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो व्हाट्सएप पर वायरल होने के बाद चाइल्ड हेल्पलाइन तक पहुंचे, जिसके बाद यह क्रूरता उजागर हुई। वीडियो में बच्चों को रोते हुए और उनके साथ मारपीट करते हुए साफ देखा जा सकता है।

शिकायत के अनुसार, रोते हुए बच्चों को चुप कराने के लिए कई अमानवीय तरीके अपनाए गए। आरोप है कि बच्चों को जबरन वॉशिंग मशीन के अंदर बिठाया गया, वेस्टर्न टॉयलेट में बैठाकर जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी डाला गया, और उन्हें बाथरूम में बंद कर चुप रहने की धमकी दी गई। यह सब देखकर बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

इस मामले में डे-केयर की पांच महिला कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस शहर के अन्य डे-केयर सेंटरों की जांच कर रही है कि क्या वे निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है।

इस घटना के सामने आने के बाद कैपजेमिनी ने अपने बेंगलुरु कैंपस का डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद किया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रही है। एक डिप्टी कमिश्नर रैंक की महिला अधिकारी मामले की जांच का नेतृत्व कर रही हैं। पुलिस ने साफ किया है कि इस जघन्य अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच जारी है।

सलमान खान फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई ने कोर्ट में किया सरेंडर का आवेदन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कथित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने विशेष अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले में स्वेच्छा से सरेंडर करने और न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताई है। फिलहाल अनमोल बिश्नोई एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। अनमोल बिश्नोई के वकीलों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में इस मामले में स्वेच्छा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है तथा चल रही न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है। चूंकि वह पहले से ही एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है, इसलिए वह स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हो सकता।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संघ: राम भक्तों की भावनाएं आहत, दोषियों को मिले कड़ी सजा

यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दान पात्रों से चढ़ावा चोरी होने के मामले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना से करोड़ों राम भक्तों की भावना और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने की अपील की है।

संघ ने कहा कि राम जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पीढ़ियों के संघर्ष, समर्पण, त्याग और बलिदान का प्रतिफल है। यह पूरे हिन्दू समाज के लिए आस्था और भक्ति का केंद्र है। इसके बाद दानपात्रों से राशि की चोरी जैसी घटना अत्यंत निंदनीय और दुखद है, इस घटना ने आरएसएस सहित समूचे समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। संघ नेता होसबाले ने कहा कि जांच में जो भी दोषी मिले, उन्हें निश्चित रूप से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। संघ ने एक असाधारण मामला मानकर मांग की है कि मंदिर की व्यवस्था और प्रबंधन में जो भी कमियां हैं, उन्हें तुरंत दूर करे। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राम मंदिर के दान से जुड़ी ऐसी गंभीर घटना को हल्के में न लिया जाए। संघ का मानना है कि लोगों के बीच व्याप्त भ्रम और सवालों का खत्म होना जरुरी है, जिसके लिए मंदिर प्रबंधन और एसआईटी दोनों को मिलकर सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। संघ ने वित्तीय व्यवस्था में पारदर्शिता और उचित संचालन पर जोर दिया ताकि श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर हिंदू समाज का भरोसा बना रहे।

गौरतलब है कि बीते दिनों राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था, जिसमें मंदिर के अंदरूनी व्यवस्था से जुड़े कई लोग शामिल मिले। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव सहित कुल आठ लोगों को मामले में गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में मंदिर में दान की गणना करने वाले लोग भी शामिल हैं। संघ के बयान के बाद उम्मीद है कि मामले की जांच और भी तेजी से आगे बढ़ेगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आरोपी लवकुश के नाना की धमकी... हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर

–आरोपी की मां ने कहा, मेरे बेटे को फंसाया जा रहा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे है। इस मामले में आठ आरोपियों में से एक लवकुश मिश्रा के घर से हाल ही में पुलिस ने 14.25 लाख नकद बरामद किए हैं। बरामदगी के बाद लव कुश के नाना जगदंबा प्रसाद ने पुलिस और योगी सरकार को सीधा चुनौती देकर कहा, हिम्मत हो, तब चलाएं बुलडोजर।

आरोपी के नाना प्रसाद ने बरामद नकदी पर सवाल उठाकर कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस से तलाशी का रिकॉर्ड मांगा है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके घर में, जहां सूखे चारे और कंडों के ढेर में तलाशी ली गई, इतनी बड़ी रकम कैसे मिल सकती है। उन्होंने अपने नाती लव कुश को निर्दोष बताया, जो गाड़ी के शीशे का काम करता था। जगदंबा प्रसाद ने अपने घर की पूरी रजिस्ट्री होने का दावा कर कहा कि वे सरकार और मंदिर ट्रस्ट से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सब बेकार रहा। इधर, लव कुश की मां ने भी अपने बेटे को निर्दोष बताकर आरोप लगाया कि सुपुत्र को फंसाया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 14.25 लाख नकद लव कुश के घर में अलमारी और गोबर के ढेर के नीचे छिपाए गए थे। छापेमारी में अहम दस्तावेज और जमीन की रजिस्ट्री के कागजात भी बरामद हुए। जांच में सामने आया कि राम मंदिर ट्रस्ट में 12,000 से 15,000 की मासिक नौकरी करने वाले लव कुश ने अपनी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर अयोध्या में एक कीमती जमीन खरीदी थी।

इसके बाद अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सुप्रिया मिश्रा के नाम पर बन रही बिल्डिंग को लेकर नोटिस जारी किया है, जिसमें निर्माण में नियमों के उल्लंघन का आरोप है। एडीए ने एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है और जवाब न मिलने पर ध्वस्तीकरण सहित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यह पूरा मामला सीसीटीवी फुटेज की जांच और चढ़ावे की गिनती में अनियमितताएं सामने आने के बाद उजागर हुआ था। मंदिर ट्रस्ट की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरक्षाकर्मी सहित उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है, और चोरी की गई नकदी व अन्य कीमती सामान बरामद करने का दावा किया है। इस घटना के बाद राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और चढ़ावे के ऑडिट सिस्टम को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

विस चुनाव में टिकट को लेकर होने लगे दो-दो हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता कराने में कुछ सफलता पाई हो, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फंसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ा सियासी तूफान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं।

सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बनाए रखने की हरी झंडी देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंगला को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटियों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

कांग्रेस आलाकमान का यह फैसला काफी गहन विचार-विमर्श के बाद आया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय पैनल ने करीब 66 वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनकी राय ली थी। ऐसा इसलिए करना पड़ा क्योंकि पार्टी के एक बड़े धड़े का मानना था कि वारिंग को बदला जाना चाहिए, वहीं वारिंग के समर्थन में भी कई नेता थे। इस सबके बीच, जाट सिख समुदाय के कम से कम 30 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे एक दलित सिख नेता के रूप में चन्नी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर सकें। जैसे ही चन्नी खेमे ने दबाव बनाना शुरू किया, दूसरे गुट भी सक्रिय हो गए। नवंबर 2025 में नियुक्त किए गए अधिकांश जिला अध्यक्षों ने राजा वारिंग का समर्थन किया। दूसरी तरफ, दो बड़े जाट सिख नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाथ मिला लिया ताकि चन्नी को इस पद से दूर रखा जा सके। चन्नी विरोधी खेमे ने तो यहां तक प्रस्ताव दे दिया था कि अगर चन्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एक तर्क यह भी दिया गया कि चुनाव से कुछ महीने पहले वारिंग को हटाना गलत संदेश देगा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ईरान प्रतिनिधिमंडल पर राजनीति से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत से प्रतिनिधिमंडल भेजने को लेकर हो रही राजनीतिक बयानबाजी पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने एक सामान्य बात बताकर बेवजह राजनीति न करने की सलाह दी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्वीकार किया कि इतने वरिष्ठ आध्यात्मिक नेता के निधन पर और ऊंचे स्तर पर शोक जताया जा सकता था और किया जाना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने तुरंत जोड़ा कि ऐसी स्थिति में हमेशा उन दिवंगत नेताओं के प्रति सम्मान दिखाना महत्वपूर्ण है जो इतने महत्वपूर्ण पद पर थे। उन्होंने इसकी पुष्टि की कि भारत से एक प्रतिनिधिमंडल ईरान गया है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने इस तरह के आयोजनों को वैश्विक कूटनीति का एक सामान्य हिस्सा बताया। उन्होंने मदर टेरेसा के अंतिम संस्कार और राजीव गांधी की हत्या के बाद भारत आए विश्व भर के नेताओं का उदाहरण देकर कहा, यह सामान्य बात है। दुनिया भर के देशों का शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए जाना एक बहुत ही सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। थरूर की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो ईरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भेजने पर सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि इसतरह के अवसर राष्ट्रीय सम्मान और राजनयिक परंपरा का हिस्सा होते हैं, जिन पर अनावश्यक विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

एमडीडीए का अवैध निमार्णों पर कड़ा प्रहार: ऋषिकेश में भवन सील, देहरादून के पॉश इलाकों में जारी जांच

आरव शर्मा
देहरादून (शिखर समाचार)
मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (MDDA) ने अवैध निर्माणों के खिलाफ अपना शिकंजा और कस लिया है। प्राधिकरण ने शुक्रवार को एक बड़े प्रवर्तन अभियान के तहत ऋषिकेश में बिना नक्शा पास कराए बन रही एक इमारत को सील कर दिया। वहीं, राजधानी के राजपुर, जाखन, पुरकुल और मालसी जैसे विकसित क्षेत्रों में भी सघन निरीक्षण अभियान चलाकर अवैध निर्माणकताओं को चेतावनी दी गई है।

ऋषिकेश में बिना स्वीकृति बन रही इमारत सील

अभियान की मुख्य कार्रवाई ऋषिकेश के निर्मल ब्लॉक-बी, निकट 'द गंगाज' में हुई। यहाँ भवन स्वामी जखमोलो द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के अवैध निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुँचकर निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। इस दौरान सहायक अभियंता अभिषेक भारद्वाज, अवर अभियंता और पुलिस बल उपस्थित रहा।

राजपुर-मालसी में चला 'चेक और सील' अभियान

केवल सीलिंग ही नहीं, बल्कि प्राधिकरण ने देहरादून के उन क्षेत्रों पर भी नजर गड़ाई है जो तेजी से विकसित हो रहे हैं। संयुक्त सचिव गौरव चटवाल के नेतृत्व में राजपुर, जाखन, पुरकुल और डीआईटी मालसी क्षेत्र में निमार्णाधीन भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने मौके पर ही स्वीकृत मानचित्रों का वास्तविक निर्माण से मिलान किया। कई निर्माणकताओं को अपने दस्तावेज पेश करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। संयुक्त सचिव ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण पाए जाने पर उत्तराखंड नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम के तहत सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी।

क्या बोले जिम्मेदार?

"विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अनियोजित और अवैध निर्माण कतई बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। निर्माण शुरू करने से पहले सभी आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।"

— बंशीधर तिवारी, उपाध्यक्ष, एमडीडीए

"निर्माण गतिविधियों पर प्राधिकरण की लगातार निगरानी है। नागरिकों से अपील है कि वे मानचित्र के अनुरूप ही निर्माण करें ताकि अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके और शहर का सुनियोजित विकास हो सके।"

— मोहन सिंह बर्निया, सचिव, एमडीडीए

अभियान में शामिल टीम

इस सघन अभियान में क्षेत्रीय अवर अभियंता सचिन तोमर, सिद्धार्थ सेमवाल, विदिता कुमारी, पवन भट्ट और सुपरवाइजर सहित प्राधिकरण का प्रवर्तन दल मौजूद रहा। प्राधिकरण ने स्पष्ट कर दिया है कि अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति के किए जा रहे निमार्णों के खिलाफ यह विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

मेयर ने करोड़ो के विकास कार्यो का किया शिलान्या

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मेयर सुनीता दयाल ने शहर में 9 करोड़ 50 लाख के विकास कार्यो का शुक्रवार को शिलान्यास किया, जिस दौरान पार्षद कन्हिया लाल, पार्षद सुनील यादव,पार्षद ओम प्रकाश ओड,पार्षद राज कुमार,पार्षद प्रीति जैन,पार्षद कविता भाटी,पार्षद मनोज पाल, थान सिंह,अभिनव जैन,दीपक राघव,राकेशकुमार,राहुल यादव,प्रवीण भाटी, ओमवीर सिंह आदि उपस्थित रहे। उपरोक्त सभी कार्यो नाली, सड़क, नाले, इंटरलॉकिंग टायल्स आदि से जुड़े हुए है। इन कार्यों को लेकर स्थानीय पार्षद व जनता काफी समय से परेशान थी, इस कार्य को कराने का प्रयास किया जा रहा था। मेयर ने सभी की गुहार सुनते हुए इन विकास कार्यों का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि अधिकांश वार्डों में लगातार कार्य कराया जा रहा है, जिन वार्ड में विकास कार्य रह गए है, उनमें भी जल्द कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे सभी वार्डो में समान कार्य किया जा सके। शहर में भरपूर बड़े-बड़े कार्य हो रहे है, जिनमें लगातार नारियल भी फोड़ने का कार्य प्रगति पर है और ऐसे ही शहर की जनता के लिए विकास कार्य किये जाएंगे, जिससे सुगम व्यवस्था जनता को मिलती रहे। नगर निगम वेन्डर को ठेका देकर कार्य कराता है लेकिन कई बार कार्य असंतोषजनक की सूचना मिलती है, जिसको नगर निगम के अधिकारियों के द्वारा ठीक कराया जाता है। लेकिन अब विकास कार्यो की गुणवत्ता की टेस्टिंग होगी, जिससे कार्य अच्छी गुणवत्ता से किया जा सके। सभी पार्षद अपने अपने वार्डो में अच्छा विकास करावा रहे है और अच्छा कार्य भी कर रहे है।

फैक्ट्री में चोरी करने वाले 2 अभियुक्तों को लिंक रोड पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लिंक रोड थाना पुलिस ने फैक्ट्री से लाखों रुपये के कॉपर पाइप चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 40 किलोग्राम चोरी की कॉपर पाइप, घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार तथा चोरी का माल बेचकर प्राप्त 2700 रुपये नकद बरामद किए है। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 80 हजार रुपये है। संवाददाता सम्मेलन में सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि 30 जून को मकुंदनगर निवासी अनूप डिब्बर, जो साहिबाबाद स्थित एक रेफ्रिजरेशन कंपनी में एडमिनिस्ट्रेटर है। उन्होंने थाना लिंक रोड में तहरीर देकर बताया था कि 29 जून की रात अज्ञात चोर फैक्ट्री से नए कॉपर पाइप चोरी कर ले गए है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सूचना के आधार पर 2 जुलाई को चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंचल और फैसल उर्फ शकील के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के 40 किलोग्राम कॉपर पाइप, वारदात में प्रयुक्त वैगनआर कार और 2700 रुपये बरामद किए। इसके बाद मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मिलकर फैक्ट्री से कॉपर पाइप चोरी की थी। आरोपी फैसल ने यह भी कबूल किया कि वह पहले भी अपने साथियों के साथ कई फैक्ट्रियों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। चोरी का माल कबाड़ियों को बेच दिया जाता था और उससे मिले पैसों का इस्तेमाल नशे की लत पूरी करने में किया जाता था। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी फैसल के खिलाफ गाजियाबाद और दिल्ली एनसीआर के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं अंचल के खिलाफ भी चोरी और आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस दोनों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। लिंक रोड थाना पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

आलाकत्ल बरामदगी के दौरान हत्या आरोपी ने क्रासिंग पुलिस पर की फायरिंग, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में मोहित शर्मा हत्याकांड के मुख्य आरोपी गौरव को पुलिस आला कत्ल की बरामदगी के लिए ले गई थी। इसी दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग करने की कोशिश की, जिसके जवाब में आत्मरक्षार्थ की गई पुलिस कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के न्यू शांति नगर में मोहित शर्मा की गौरव और उसके साथियों ने मिलकर हत्या कर दी थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पर मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी गौरव को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूछताछ के दौरान गौरव ने हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार को न्यू शांति नगर स्थित जल प्लांट के पास डंपिंग यार्ड की झाड़ियों में छिपाने की जानकारी दी थी। इसी सूचना के आधार पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस की टीम उसे घटनास्थल पर लेकर पहुंची ताकि हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल हथियार बरामद किया जा सके। मौके पर पहुंचने के बाद आरोपी गौरव ने पहले पुलिस को इधर-उधर घुमाकर गुमराह करने का प्रयास किया। इसी दौरान वह अचानक झाड़ियों की ओर भागा और वहां पहले से छिपाकर रखा गए तमंचा निकाल लिया। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग करने की कोशिश की, जिससे पुलिसकर्मियों की जान को खतरा उत्पन्न हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान चली गोली आरोपी गौरव के पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस ने तत्काल उसे कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेज दिया। आरोपी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटनास्थल से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल और आरोपी के कब्जे से तमंचा भी बरामद किया है। बरामद हथियारों को कब्जे में लेकर पुलिस ने उन्हें जांच के लिए भेज दिया है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने आरक्षी यातायात पुलिस को दी ट्रेनिंग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। रिजर्व पुलिस लाईन्स गाजियाबाद के परमजीत हॉल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 186 आरक्षी यातायात पुलिस को परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रदान किया गया। व्याख्यान के दौरान प्रशिक्षुओं को परिवहन विभाग की संगठनात्मक संरचना एवं कार्यप्रणाली, मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं केंद्रीय मोटरयान नियमों के प्रमुख प्रावधान, वाहनों के पंजीकरण की प्रक्रिया, विभिन्न प्रकार के परमिट एवं उनकी आवश्यकता, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीकरण प्रमाण-पत्र से संबंधित नियम, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन संबंधी अभिलेखों व ड्राइविंग लाईसेंस के निलंबन प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रावधान, सड़क दुर्घटनाओं के उपरांत मोटर वाहन निरीक्षक द्वारा की जाने वाली तकनीकी जांच की प्रक्रिया एवं उसका महत्व तथा सड़क सुरक्षा को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस एवं परिवहन विभाग के मध्य समन्वित प्रवर्तन कार्यवाही की आवश्यकता, उद्देश्य एवं व्यावहारिक पहलुओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त आरक्षियों को वाहन चेकिंग के दौरान अपनाई जाने वाली वैधानिक प्रक्रिया, ओवरलोडिंग, बिना परमिट एवं बिना फिटनेस संचालित वाहनों के विरुद्ध की जाने वाली प्रवर्तन कार्यवाही, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त भूमिका, डिजिटल प्रवर्तन प्रणाली, ई-चालान व्यवस्था तथा प्रभावी प्रवर्तन के माध्यम से सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के उपायों से भी अवगत कराया गया। व्याख्यान के उपरांत आरक्षियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उनके द्वारा पूछे गए विभिन्न व्यावहारिक एवं विधिक प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस संवाद के माध्यम से पुलिस एवं परिवहन विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आरिक्षयों ने व्याख्यान में गहरी रुचि दिखाई तथा विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। इस प्रकार का प्रशिक्षण भविष्य में प्रभावी प्रवर्तन, विधिसम्मत कार्यवाही तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत व्याख्यान अशोक कुमार श्रीवास्तव, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन गाजियाबाद, विवेक कुमार खरवार, सम्भागीय निरीक्षक गाजियाबाद द्वारा प्रदान किया गया।

जिला अस्पताल में बवाल: भाकियू महिला जिलाध्यक्ष ने सीएमएस पर डेढ़ घंटे बंधक बनाने का लगाया आरोप, वीडियो वायरल

हापुड़ (शिखर समाचार)। मोदीनगर रोड स्थित जिला अस्पताल एक बार फिर विवादों में आ गया है। भाकियू (तोमर) की महिला जिलाध्यक्ष मोनिका खटीक ने अस्पताल की सीएमएस और स्टाफ पर उन्हें करीब डेढ़ घंटे तक कार्यालय में बंधक बनाए रखने का गंभीर आरोप लगाया है। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं मोनिका ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से भी की है। गांव असौड़ा निवासी मोनिका खटीक अपनी बेटी अनुष्का को पेट में संक्रमण की शिकायत होने पर जिला अस्पताल लेकर पहुंची थीं। उनका आरोप है कि चिकित्सक ने अस्पताल में उपलब्ध न होने वाली दवाएं बाहर से लिख दीं। जब फामेर्सी पर दवाएं नहीं मिलीं तो वह शिकायत लेकर सीएमएस कार्यालय पहुंचीं। मोनिका का आरोप है कि सीएमएस के आने पर उनकी समस्या का समाधान करने के बजाय पहले की गई शिकायतों से संबंधित समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उन्हें करीब डेढ़ घंटे तक कार्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया गया। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मोनिका खटीक ने बताया कि उन्होंने पूर्व में सीडीओ कार्यालय में जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर 17 बिंदुओं पर शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि उसी शिकायत के कारण अस्पताल का स्टाफ उनसे द्वेषभाव रखता है। उधर, जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. हेमलता ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत हैं।

16.67 करोड़ की बड़ी सौगात: हापुड़ में 15 स्थानों पर बनेंगी इंटरलॉकिंग साइड पटरी, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ विधानसभा क्षेत्र के लोगों को जल्द ही बेहतर सड़क सुविधाओं का लाभ मिलने जा रहा है। विधानसभा क्षेत्र के 15 स्थानों पर इंटरलॉकिंग साइड पटरी निर्माण के लिए 16.67 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई है। इन विकास कार्यों के पूरे होने से शहर की प्रमुख सड़कों की यातायात व्यवस्था और सौंदर्यीकरण में भी सुधार होगा।

विधायक विजय पाल आढ़ती ने बताया कि विकास कार्यों को लेकर उन्होंने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर सड़क निर्माण और इंटरलॉकिंग पटरी निर्माण की मांग रखी थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्वीकृत कार्यों के तहत बुलंदशहर रोड पर तहसील चौराहे से फिरोज बिल्डिंग तक 1.98 करोड़ रुपये, रामपुर रोड की ओर 1.70 करोड़ रुपये, दिल्ली रोड पर सबली गेट से बालाजी मंदिर तक 1.96 करोड़ रुपये तथा कलेक्ट्रेट के पीछे से अंबेडकर चौराहा तक 1.57 करोड़ रुपये की लागत से इंटरलॉकिंग पटरी बनाई जाएगी। इसके अलावा गढ़ रोड पर रेलवे लाइन से ततारपुर बाईपास तक दोनों ओर 1.79-1.79 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य होगा।

इसके अतिरिक्त मोदीनगर रोड, वार्ड-33 में सिकंदर गेट पुलिया से एमएस गार्डन तक तथा तिरुपति गार्डन से सबली गेट तक दोनों ओर इंटरलॉकिंग पटरी का निर्माण कराया जाएगा।

विधायक विजय पाल आढ़ती ने स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र की जनता को बेहतर आधारभूत सुविधाएं मिल सकें।

मुख्यमंत्री आदर्श समेकित विद्यालय के निर्माण कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। विकास खंड धौलाना में निमार्णाधीन मुख्यमंत्री आदर्श समेकित विद्यालय का शुक्रवार को जिलाधिकारी कविता मीना ने स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति, कार्य की गुणवत्ता तथा निर्धारित समय सीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य का अवलोकन करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यालय के निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण होने के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता भी उच्च स्तर की होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे परियोजना समय पर पूर्ण होकर विद्यार्थियों के उपयोग के लिए उपलब्ध हो सके।

उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बागपत वृत्त
पत्रांक : 744 /PRO-50E/07 दिनांक :- 02/07/2026
ई-निविदा आमन्त्रण की सूचना
मण्डोला विहार योजना, गाजियाबाद के विभिन्न सेक्टरों में ऑनलाईन ई-निविदा सूचना संख्या-739/पी.आर.ओ.-50ई/06 दिनांक 02.07.2026 द्वारा आमन्त्रित की गयी हैं। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण, नियम व शर्तें, परिषद की वेबसाइट http://upavp.in/ राज्य सूचना केन्द्र (NIC) की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।
अधीक्षण अभियन्ता

ऑपरेशन प्रहार : मसूरी पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब के साथ 2 तस्कर को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत थाना मसूरी पुलिस को अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो कारों में रखे 2200 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब चंडीगढ़ मार्का के बरामद किए हैं। बरामद शराब बिहार ले जाकर खपाने की तैयारी थी। थाना अध्यक्ष मसूरी हरेंद्र मलिक ने बताया कि थाना मसूरी पुलिस टीम क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि दो कारों में बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान दोनों कारों से कुल 2200 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल और अवनीश के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना मसूरी में आबकारी अधिनियम की धारा 60/63/72 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह पेशे से कार चालक है और हरियाणा निवासी मोहित के लिए शराब की तस्करी करते थे। मोहित पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की अवैध अंग्रेजी शराब को विभिन्न राज्यों में सप्लाई कराता है। वह पिछले करीब एक वर्ष से उसके लिए यह काम कर रहे थे और प्रत्येक खेप पहुंचाने पर उन्हें 5 हजार से 10 हजार रुपये तक मेहनताना मिलता था। वह दोनों कारों में शराब भरकर बिहार ले जा रहे थे, लेकिन मसूरी क्षेत्र में पुलिस की चेकिंग के दौरान पकड़े गए।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के झांसे में युवती से 12 लाख की साइबर ठगी, रकम निकालने के नाम पर बनाते रहे शिकार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर साइबर ठगों के जाल में फंसकर 12 लाख रुपये गंवा बैठी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिलखुवा के मोहल्ला घास मंडी निवासी अनिका बंसल ने बताया कि 10 जून 2026 को उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां अमेजन के प्रोडक्ट लिंक खोलकर स्क्रीनशॉट भेजने जैसे टास्क दिए गए। प्रत्येक पांच टास्क के बाद भुगतान मिलने का दावा किया गया। इसके बाद उन्हें टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर कॉइनबेस कंपनी के नाम से ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाया गया। पीड़िता के अनुसार जब उन्होंने 16,67,548 रुपये निकालने का प्रयास किया तो ट्रांजेक्शन अस्वीकार कर दिया गया। ठगों ने अकाउंट सत्यापन के नाम पर पहले 10 हजार रुपये जमा कराने को कहा, जो वापस मिलने पर उनका भरोसा और बढ़ गया। बाद में पूरी रकम निकालने का प्रयास करने पर पांच लाख रुपये और जमा करने की शर्त रखी गई। इस तरह अलग-अलग बहानों से उनसे कुल 12 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए गए, लेकिन रकम वापस नहीं मिली। थाना प्रभारी निरीक्षक पटनीश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर साइबर ठगी के पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

भूमि विवाद से परेशान किसान ने तहसील में आत्मदाह का किया प्रयास, मचा हड़कंप

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कृषि भूमि को कब्जा मुक्त कराने की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से तहसील परिसर में धरना दे रहे एक किसान ने शुक्रवार को तहसील में अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए किसान के हाथ से लाइटर छीन लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। निवाड़ी थाना क्षेत्र के पैगा गांव निवासी किसान सत्येंद्र पवार का आरोप है कि भू-माफियाओं ने उसकी करीब 700 गज कृषि भूमि का फर्जी तरीके से बैनामा करा लिया। इस मामले में उन्होंने 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। किसान का कहना है कि पुलिस ने जांच के बाद सात लोगों को आरोपी मानते हुए चार्जशीट दाखिल की थी। उनका दावा है कि वह तहसीलदार न्यायालय से भी मुकदमा जीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी फाइल पलट दी गई और भूमि पर कब्जा नहीं दिलाया गया। इसी मांग को लेकर सत्येंद्र पवार पिछले तीन दिनों से उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। शुक्रवार को उप जिलाधिकारी अजीत सिंह और तहसीलदार रजत सिंह ने उन्हें वार्ता के लिए अपने कार्यालय में बुलाया। किसान का आरोप है कि बातचीत के दौरान अधिकारियों ने उन्हें धरना समाप्त करने के लिए दबाव बनाया। इसी दौरान उन्होंने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल लिया और लाइटर से आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि, तहसीलदार ने तत्काल उनके हाथ से लाइटर छीन लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद अधिकारियों ने किसान को समझाकर शांत किया और उनकी समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। वहीं, उप जिलाधिकारी अजीत सिंह ने किसान के आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि किसान की ओर से कुल छह वाद दायर किए गए थे, जिनमें से चार मामलों का निर्णय किसान और उसके भाई के पक्ष में आया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी न्यायालय के निर्णय को पलटे जाने का आरोप तथ्यहीन है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार, फरार होने की फिराक में था

बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर कोतवाली पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक महिला से दुष्कर्म करने और धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कोतवाली देहात क्षेत्र के अकबराबाद से उस समय दबोचा, जब वह फरार होने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर 22 जून को शहर कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 (शादी का झूठा वादा कर शारीरिक संबंध बनाना) तथा धारा 351(3) (आपराधिक धमकी) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के साथ आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। जांच के दौरान आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर अकबराबाद में घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी काफी समय से गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना नियमानुसार जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
(ISO 9001 :2015 एवं ISO 14001 :2015 प्रमाणित संस्था)
पत्रांक : 679/पी०ए०-टी०/2026-27 दिनांक 03.07.2026
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से 04 कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्ते गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की वैबसाइट www.gdaghaziabad.in पर उपलब्ध हैं एवं UPLC की वैबसाइट https://etender.up.nic.in पर निविदा विक्रय की तिथि में उपलब्ध होंगी। सम्बन्धित निविदा को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदा को उनके सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा में कोई भी संशोधन / परिमार्जन / परिवर्तन व अतिरिक्त सूचनाओं को वैबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।
मुख्य अभियन्ता
ई-मेल : helplinegda@gmail.com, : @ Gda Ghaziabad : @ gdagzb
हेल्पलाईन 0120-4418 384, व्हाट्सएप: 9990988004 वेबसाईट: www.gdaghaziabad.in
एक सुन्दर शहर .... हमारा संकल्प

संक्षिप्त समाचार

30 दिवसीय कबड्डी शिविर का समापन

अलीगढ़, एजेंसी। बालियान गर्ल्स कबड्डी अकेडमी जट्टारी में आयोजित 30 दिवसीय निशुल्क कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हो गया। शिविर में अमरोहा, झांसी और मथुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों की बेटियों ने भाग लेकर कबड्डी के तकनीकी कौशल और बारीकियों का प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम में अतिथि समाजसेवी सूरज चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए दूसरे वर्ष 11 खिलाड़ियों को 11 हजार रुपये की मदद की। उन्होंने कहा कि बेटियां खेल सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षक दलबीर सिंह बालियान, महावीर स्वामी, अमित मास्टर आदि मौजूद रहे।

स्वागत द्वार से हादसे का डर

अलीगढ़, एजेंसी। गोंडा-खैर मार्ग पर गांव गिडौरा के समीप लगा स्वागत द्वार जर्जर हालत में हैं। यह कभी भी गिर सकता है। करीब एक माह पहले आई तेज आंधी में द्वार का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर सड़क की ओर लटक गया, लेकिन अब तक जिम्मेदार विभाग ने इसकी सुध नहीं ली है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि द्वार को 2016-17 में पूर्व विधायक त्रिलोकीराम दिवाकर की विधायक निधि से लगाया गया था। करीब दस वर्ष पुराने इस ढांचे में जंग लगने के कारण इसकी स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। नोएडा, हरियाणा और दिल्ली को जोड़ने वाले इस व्यस्त मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। गोंडा किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष रवीकरण सिंह और समाजसेवी अजीत चौधरी ने प्रशासन से तत्काल क्षतिग्रस्त द्वार हटाने की मांग करते हुए चेताया कि किसी दुर्घटना से पहले कार्रवाई जरूरी है।

200 नए बटुकों ने लिया 16 संस्कारों के ज्ञानार्जन का संकल्प

वाराणसी, एजेंसी। जिले के संस्कृत विद्यालयों में बुधवार को 200 से अधिक वेदपाठी बच्चों (बटुकों) का सामूहिक उपनयन (जनेऊ) संस्कार वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। इस दौरान बच्चों ने विधि-विधान से मंत्रोच्चारण कर संस्कृत की शिक्षा आरंभ की। कर्णघंटा स्थित गुर्जर छात्र सहायक समिति की ओर से चिदानंद संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय में 61 बटुकों का सामूहिक उपनयन संस्कार हुआ। कार्यक्रम के यजमान प्रबंधक यश नागर और मीनाक्षी नागर रहे, जबकि आचार्यत्व आचार्य विशाल पांडेय ने किया। मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पुरी और विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी रहे। संतों और विद्वानों ने बटुकों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उपनयन संस्कार भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का सशक्त माध्यम है। इस दौरान अध्यक्ष अनिल शास्त्री, जगदीश भाई पटेल, अनिल शास्त्री और अंशुमान शाह मौजूद रहे।

163 साल पुराने क्लॉक टावर का छज्जा भरभराकर गिरा

आगरा, एजेंसी। आगरा जिलाधिकारी कार्यालय स्थित क्लॉक टावर का छज्जा गिरने से बुधवार को दो मजदूर चोटिल हो गए। टावर पर रंगाई-पुताई चल रही थी। सुबह करीब 11:30 बजे हादसा हुआ। दर्जनभर से अधिक फरियादी उस समय टावर के नीचे खड़े थे। गनीमत रही कोई जनहानि नहीं हुई। कलेक्ट्रेट स्थित क्लॉक टावर का निर्माण 1862 में हुआ था। इससे पहले कलेक्ट्रेट किराए के भवन में चलता था। कलेक्ट्रेट के निर्माण के दौरान ही क्लॉक टावर लगाया गया। इस टावर पर पेंडुलम घड़ी थी। 2017-18 में यह घड़ी खराब हो गई। जिसके बाद एसबीआई ने दूसरी घड़ियां लगाईं। बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे रस्सियों के सहारे मजदूर टावर पर चढ़कर रंगाई-पुताई किया जा रहा था। तभी एक मजदूर रस्सी के सहारे नीचे उतारा। उसके उतरते ही भरभराकर छज्जा गिर गया। करीब 70 फीट ऊंचे टावर से मलबा गिरने से नीचे खड़े फरियादियों में भगदड़ मच गई। नीचे खड़े दो मजदूर मलबा की चपेट में आकर चोटिल हुए हैं।

सीएस की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक में नहीं हुआ बदलाव

कानपुर, एजेंसी। देश की 23 आईआईटी में दाखिले के लिए ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) की काउंसलिंग प्रक्रिया के दूसरे राउंड में छह ब्रांच की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसमें कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, अर्थ साइंस और मैटेरियल इंजीनियरिंग शामिल हैं। दूसरे चरण में कंप्यूटर साइंस की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक 32-276 गई है। इससे अंडर 100 रैंकर के दाखिला लेने का दावा और मजबूत हो गया है। ऑल इंडिया 32वीं रैंक प्राप्त करने वाले मेधावी ने आईआईटी कानपुर में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्रांच का चयन किया है। अन्य वर्षों में दाखिला लेने वाले अभ्यर्थियों की जेईई एडवांस में रैंक 100 के पार ही रही है।

ट्रस्ट पर कसेगा शिकंजा, जेवरात का नहीं मिल रहा ब्योरा

पांच साल के ऑडिट का फिर से होगा ऑडिट

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में एसआईटी अब ट्रस्ट के पांच साल के ऑडिट का ऑडिट करेगी। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों की आशंका को देखते हुए हर वित्तीय लेनदेन की बारीकी से तफ्तीश की जाएगी।

एसआईटी को कुछ अहम साक्ष्य भी मिले हैं। जांच की जद में ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी आ सकते हैं। निर्माण कार्यों की भी जांच होगी। यही वजह है कि शासन ने बुधवार को एसआईटी जांच का समय दो सप्ताह बढ़ा दिया है। एसआईटी अब 15 जुलाई को रिपोर्ट शासन को सौंपेगी।

दरअसल, एसआईटी ने प्रारंभिक जांच में आपराधिक पहलू की जांच की है। इसी आधार पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। एसआईटी ने वहां की खामियों के साथ मंदिर की सुरक्षा और गणना प्रक्रिया की लापरवाही को जांच में शामिल किया। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी से जुड़े अधिकारी लगातार अयोध्या में हैं और साक्ष्य जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर मिली खामियों को देखते हुए एसआईटी ने पिछले पांच साल में मंदिर ट्रस्ट की ओर से कराए गए ऑडिट की जांच का निर्णय लिया है। इसमें एसआईटी देखेगी कि ऑडिट में कहां खामियां हैं।

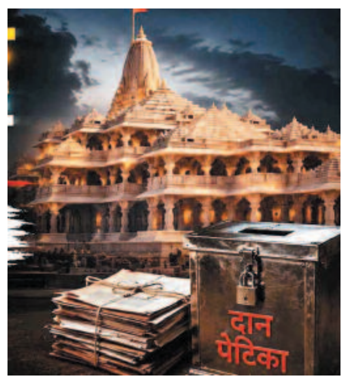

सूत्रों के मुताबिक इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों की आशंका है। अब तक की जांच में एसआईटी को ऐसे सुबूत मिले हैं। माना जा रहा है कि इससे अनिल मिश्रा, गोपाल राव व चंपत राय की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसआईटी के तीनों अधिकारी लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज लखनऊ किरन एस और विशेष वित्त सचिव नील रतन बृहस्पतिवार को बैठक कर सकते हैं। इसके बाद वह अयोध्या जाएंगे।

विस्तृत रिपोर्ट और खोलेगी परतें

सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट के लिए सबसे बड़ी मुसीबत दान किए गए जेवरात का ब्योरा देने में होगी। क्योंकि ट्रस्ट ने इसका ऑडिट ही नहीं कराया है। ऐसे में ट्रस्ट क्या तर्क देगा, ये समय बताएगा। वहीं, निर्माण कार्य में कमीशन के भी आरोप हैं। इसमें अनिल मिश्रा पर शिकंजा कस सकता है।

ऑडिट रिपोर्ट में खामियों की चर्चा पहले भी रही है, लिहाजा विस्तृत रिपोर्ट उसकी और परतें खोलेगी।

अविनाश के कमरे से मिला रामराज्य कोष लिखा संदूक

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला के कौशलपुरी स्थित श्याम साधनालय योग केंद्र में उसके कमरे से रामराज्य कोष लिखा एक संदूक मिला है। उस पर क्यूआर कोड भी लगा है। पुलिस और जांच एजेंसियां अब यह पता लगा रही हैं कि इस संदूक में जमा होने वाला धन कहां से आता था और उसका राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण से कोई संबंध है या नहीं। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि संदूक से कोई नकदी बरामद हुई या नहीं। पुलिस क्यूआर कोड से लेनदेन की भी पड़ताल कर रही है।

लवकुश व करुणेश के घर छापे नकदी-जेवर व दस्तावेज बरामद

पुलिस ने बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय के पैतृक घरों पर छापा मारा। करीब तीन घंटे चली छानबीन के दौरान परिवार वालों के बयान भी दर्ज किए। सूत्र बताते हैं कि घरों से नकदी, जेवर और संपत्तियों के दस्तावेज मिले हैं। पुलिस दोनों के माता-पिता को साथ लेकर गई।

सूत्रों के मुताबिक लवकुश व करुणेश ने अहम जानकारियां दी थीं। बताया था कि चोरी की रकम उनके घरों में रखी है, इसलिए पुलिस ने बुधवार को उनके घरों पर एकसाथ छापा मारा। लवकुश का घर अयोध्या के रुदौली और करुणेश का खंडासा में है। सूत्रों का दावा है, घरों से नकदी व जेवर मिले हैं। पुलिस जांच के लिए संपत्तियों के दस्तावेज भी कब्जे में लिए हैं।

अनिल ने टिन्नू पर फोड़ा ठीकरा

सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में अनिल मिश्रा ने पूरा ठीकरा टिन्नू यादव पर फोड़ा है। कहा, गणनाकर्मी टिन्नू के इशारे पर काम करते थे। अनिल ने अपनी भूमिका पूरी तरह से नकार दी है।

दो तिहाई बहुमत से तय होगा चंपत राय और अनिल मिश्रा का भविष्य, 6 जुलाई को ट्रस्ट की अहम बैठक

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद पहली बार 6 जुलाई श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक होगी। इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर अंतिम निर्णय ट्रस्ट के बायलॉज के अनुसार वोटिंग से होगा। इस्तीफा स्वीकार करने के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। ट्रस्ट के बायलॉज में किसी पदाधिकारी को सिर्फ उसके पद एवं दायित्व से मुक्त करने का प्रावधान है। यदि चंपत राय को महासचिव पद से हटाया भी जाता है तो वे ट्रस्ट के सदस्य बने रहेंगे। यही व्यवस्था अन्य पदाधिकारियों पर भी लागू होती है। वर्तमान में ट्रस्ट के 14 सदस्यों में से दो सदस्य इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में बैठक में 12 ट्रस्टियों की राय ली जाएगी। पूर्व की बैठकों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भैयाजी जोशी और विश्व हिंदू परिषद के दिनेश चंद्र आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल होते रहे हैं। इस बार भी उनके शामिल होने की संभावना है। विहिप के राष्ट्रीय महामंत्री बजरंग लाल बांगड़ा और केंद्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे को भी आमंत्रित सदस्य के रूप में बुलाया जा सकता है। यदि उन्हें मतदान का अधिकार दिया जाता है तो उनकी भूमिका भी निर्णायक होगी। रामलला की मूर्ति के चयन के समय भी ट्रस्ट ने मतदान की प्रक्रिया अपनाई थी। उस समय ट्रस्ट में 15 सदस्य थे और 11 ट्रस्टियों ने कर्नाटक के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की प्रतिमा के पक्ष में मतदान किया था। दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद उसी प्रतिमा का चयन हुआ जो वर्तमान में राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित है।

बरसात में सांपों से रहें सावधान! ये गलतियां पड़ सकती हैं भारी

जानें बचने के तरीके और काटने पर क्या करें

आगरा, एजेंसी। बारिश का मौसम शुरू होने वाला है। ऐसे में सर्पदंश का खतरा बढ़ गया है। ऐसे मरीजों के इलाज के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी वेनम इंजेक्शन की अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। चिकित्सकों की लोगों से अपील है कि तंत्रमंत्र और बायगीर के इलाज में समय बर्बाद न करें, इससे मरीज की जान का खतरा बढ़ जाता है।

एसएन प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि इमरजेंसी में हर महीने 10 से 15 मरीज सर्पदंश के आते हैं। बरसात में इनकी संख्या चार से पांच गुना तक बढ़ जाती है। इमरजेंसी में एंटी वेनम इंजेक्शन के इंतजाम हैं। बारिश में मरीजों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त खरीदी भी की जा रही है। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि 18 सीएचसी पर एंटी वेनम की व्यवस्था है, डिमांड भी भेज दी है। इससे इनका अतिरिक्त स्टॉक करा दिया जाएगा।

बायगीर के इलाज से नहीं इंजेक्शन से बचेगी जान : एसएन इमरजेंसी के डॉ. चंद्रप्रकाश गौतम ने बताया कि अधिकांश सर्प जहरीले नहीं होते हैं। जहरीले सर्प दो तरह के हैं। न्यूरोटॉक्सिस होने पर तंत्रिका तंत्र पर असर पड़ता है और लकवा मारने लगता है। ये करैत और कोबरा हैं। हीमोटॉक्सिक होने पर ये शरीर का रक्तसंचार बढ़ा देते हैं।

ये वाइपर होते हैं। इनके काटने पर खून का थक्का नहीं जमता और काटे हुए हिस्से से लगातार खून बहता है। ऐसे में काटे हुए हिस्से पर चीरा लगाने, मुंह से जहर चूसने का प्रयास न करें। जहरीले सर्प के काटने पर बायगीर-तंत्रमंत्र के फेर में समय बर्बाद होने से मरीज की जान जा सकती है। ऐसे में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर एंटी वेनम इंजेक्शन और उपचार कराएं।

सोशल मीडिया स्टार दंपति का विवाद पहुंचा महिला थाना: सिंगर पति ने पत्नी पर मारपीट, पत्नी पक्ष ने दहेज उत्पीड़न का कराया मुकदमा

यथार्थ अग्रवाल

हापुड़ (शिखर समाचार)। लाखों फॉलोअर्स वाले सिंगर और यूट्यूबर अनुज जाटव तथा उनकी पत्नी मोहिनी के बीच पारिवारिक विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। एक ओर अनुज जाटव ने महिला थाने पहुंचकर पत्नी पर मारपीट और सोशल मीडिया के जरिए छवि खराब करने का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी ओर पत्नी की मां ने अनुज और उसके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। गौतमबुद्धनगर निवासी अनुज जाटव ने बताया कि उनका यूट्यूब चैनल 'अनुज जाटव प्यावली' के नाम से संचालित है। उनके अनुसार यूट्यूब पर 2.5 लाख, इंस्टाग्राम पर 6 लाख और

फेसबुक पर 8 लाख फॉलोअर्स हैं। उनका आरोप है कि पत्नी मोहिनी लगातार सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ वीडियो पोस्ट कर रही है, जिससे उनकी छवि खराब हो रही है और फॉलोअर्स कम हो रहे हैं। अनुज का कहना है कि वह हर महीने एक से डेढ़ लाख रुपये कमाते हैं, इसलिए उन्हें दहेज की कोई आवश्यकता नहीं है। अनुज ने आरोप लगाया कि 22 जून को पत्नी ने उनकी छाती पर ईंट मार दी थी। वहीं 26 जून को आगरा में कार्यक्रम के लिए पैकिंग के दौरान बैग फेंककर विवाद किया गया, जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से भी की थी। उन्होंने बताया कि पत्नी को सम्मानपूर्वक साथ रखने के लिए न्यायालय में वाद भी दायर किया गया है। वहीं धौलाना के छोटा मोहल्ला निवासी सुमन ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनकी बेटी मोहिनी का विवाह 7 फरवरी 2026 को अनुज जाटव से हुआ था। शादी में 10 से 12 लाख रुपये का दहेज दिया गया, लेकिन विवाह के 15 दिन बाद ही पति अनुज, जेठ केशपाल, सास शकुंतला और देवर आकाश कार की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगे। तहरीर के अनुसार 26 जून को अनुज ने मोहिनी के साथ झाड़ू से मारपीट की, गला दबाकर हत्या का प्रयास किया और उसे घर में बंद कर दिया। आरोप है कि मौके पर पहुंचने पर अनुज ने सुमन और उनके बेटे बादल के साथ भी मारपीट की।

महिला थाना प्रभारी अरूणा राय ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और मामले की जांच की जा रही है।

वृक्षारोपण महायज्ञ के तहत इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को गाजियाबाद रेंज द्वारा राजनगर एक्सटेंशन स्थित जीडी गोयनका स्कूल में वन, प्रकृति एवं पृथ्वी विषय पर इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रतियोगिता में भागीरथी स्कूल, संजय नगर, सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी चित्रकला के माध्यम से प्रकृति संरक्षण, हरित पर्यावरण तथा पृथ्वी को बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान पेंटिंग के क्षेत्र में लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक हर्षिता वशिष्ठ ने लाइव पेंटिंग का प्रदर्शन किया, जिसे उपस्थित विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सराहा।

इसके बाद जीडी गोयनका स्कूल के निदेशक अवी गोयल और प्रधानाचार्या योगिता कपिल ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वनाधिकारी निमी कुचिया ने विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा जब पौधों का नियमित संरक्षण और देखभाल भी की जाए। कार्यक्रम के अंत में एन्वायरमेंट क्लब के सदस्यों के सहयोग से आम भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान देशी एवं अन्य प्रजातियों के आम के पौधे वितरित कर लोगों को उनके रोपण और संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर गाजियाबाद रेंज का समस्त वन विभागीय स्टाफ, विद्यालय परिवार, विद्यार्थी और एन्वायरमेंट क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

कार में जोरदार धमाका, सीट पर रखे छह लाख रुपये जल गए; नोटों की गड्डियां नहीं बचा सका योगेश

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना एकता के रमाडा कट के पास इनर रिंग रोड की सर्विस रोड पर बुधवार शाम एक कार गर्म होकर झटका लेने लगी। कार सवारों ने कार रोकी और जैसे ही बाहर निकले कार में विस्फोट के साथ आग लग गई। थोड़ी ही देर में कार के अंदर रखे 6 लाख रुपये जल गए। कुछ देर पहले ही बैंक से रुपये निकाले गए थे। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

कहरई के शास्त्रीनगर पावन धाम रोड निवासी योगेश कुमार अपने दोस्त एकता क्षेत्र निवासी सनी कुमार के साथ अपनी कार से बुधवार दोपहर संजय प्लेस आए थे। उन्हें बैंक से रुपये निकाल कर शमसाबाद जाकर प्लॉट खरीदने के लिए एडवांस देना था। रमाडा कट के पास इनर रिंग रोड की सर्विस रोड पर पहुंचने पर अचानक कार में दिक्कत आ गई।

दोनों कार को किनारे रोक कर कार से उतरे और जैसे ही दरवाजा बंद कर आगे बढ़े कार में विस्फोट हो गया। कुछ समझ पाते, तब तक आग की लपटों ने कार को पूरी तरह चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने डंडे की मदद से कार के शीशे खोलने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

ब्रह्मपुरी में बिजली को लेकर मचा हाहाकार, दोपहर 12 बजे से आधी रात तक आपूर्ति ठप

मेरठ, एजेंसी। माधवपुरम-2 बिजलीघर की ओवरलोडिंग कम करने के लिए बुधवार को लगाया गया नया आठ एमवीए का ट्रांसफार्मर टेस्टिंग में फेल हो गया। इसके बाद विद्युत विभाग ने रातोंरात उसे हटाकर दोबारा पुराना पांच एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाने का निर्णय लिया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र के लोगों को बुधवार दोपहर साढ़े 12 बजे से आधी रात तक बिजली कटौती झेलनी पड़ी।

विद्युत विभाग ने माधवपुरम-2 बिजलीघर से जुड़े ब्रह्मपुरी, तारापुरी और आसपास के क्षेत्रों को ओवरलोडिंग से राहत दिलाने के लिए पांच एमवीए की जगह आठ एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने की योजना बनाई थी। इसके लिए नया ट्रांसफार्मर लखनऊ से मंगवाया गया और स्थापना कार्य के लिए 11 घंटे का शटडाउन लिया गया।

बारिश के कारण निर्धारित समय से देरी हुई और बुधवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे बिजली आपूर्ति बंद कर ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य शुरू हुआ। शाम करीब सात बजे नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया, जिसके बाद उसका नो-लोड टेस्ट शुरू किया गया। विद्युत विभाग ने कार्य पूरा होने के बाद रात करीब साढ़े 11 बजे बिजली आपूर्ति बहाल करने की संभावना जताई थी, लेकिन परीक्षण के दौरान नया ट्रांसफार्मर निर्धारित तकनीकी पैरामीटर पूरे नहीं कर सका और फेल हो गया। इसके बाद विभागीय अधिकारियों की चिंता बढ़ गई।

रात में ही मुख्य अभियंता मेरठ प्रथम रजनीकांत मिश्र समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। उपभोक्ताओं की परेशानी को देखते हुए तत्काल नया ट्रांसफार्मर हटाकर फिर से पुराना पांच एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाने का निर्णय लिया गया। आधी रात के बाद तक पुराना ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य चलता रहा। मुख्य अभियंता रजनीकांत मिश्र ने बताया कि करीब दो घंटे में पुराना ट्रांसफार्मर दोबारा स्थापित कर बिजली आपूर्ति शुरू करा दी जाएगी।

इससे पहले अधिशासी अभियंता (साउथ) धर्मवीर सिंह की निगरानी में शाम तक पांच एमवीए की जगह आठ एमवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। इसके बाद ट्रांसफार्मर का नो-लोड परीक्षण किया गया लेकिन वह फेल हो गया।

मुख्य अभियंता रजनीकांत मिश्र ने बताया कि नया ट्रांसफार्मर लगने से ब्रह्मपुरी क्षेत्र समेत आसपास की कई कॉलोनियों में ओवरलोडिंग की समस्या समाप्त हो जाती।

पेयजल संकट न हो, इसलिए नलकूपों पर लगाए गए जनरेटर : जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह के निर्देश पर नगर निगम ने पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्र के नलकूपों पर जनरेटर लगवाए। नगर आयुक्त सौरभ गंगवार के निर्देश पर टैंकरों से भी पानी की आपूर्ति कराई गई, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली।

बिजली गुल होने पर पार्कों में बैठे लोग

माधवपुरम-1 और 2 बिजलीघरों से जुड़े ब्रह्मपुरी, गणेशपुरी, सरस्वती लोक, खुशहाल नगर समेत कई इलाकों में दोपहर से आधी रात तक बिजली नहीं रही। लंबे बिजली कटौती के कारण इन्वर्टर भी जवाब दे गए। गर्मी से परेशान लोग कॉलोनियों के 'कों में खाट डालकर समय बिताते नजर आए।

छठे दिन भी नहीं खत्म हुआ बिजली संकट : शारदा रोड, शिवशंकर पुरी, पूर्वी एवं पश्चिमी ब्रह्मपुरी, गौरीपुरा, गणेशपुरी, गौतमनगर, खत्ता रोड, मास्टर कॉलोनी, इंदिरा नगर, बिशन चौक, शिवशक्ति नगर, पजाया, वीर नगर, माधवपुरम और सरस्वती लोक समेत कई क्षेत्रों में छठे दिन भी बिजली संकट बना रहा। राकेश गौड़ ने बताया कि विभाग ने ब्रह्मपुरी क्षेत्र में पांच नए ट्रांसफार्मर लगाकर ओवरलोडिंग दूर करने का आश्वासन दिया था, लेकिन बुधवार को भी शास्त्री की कोठी पर नया ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य शुरू नहीं हुआ। इसकी शिकायत मुख्य अभियंता से की गई है। मंगलवार को बिशन चौक पर ट्रांसफार्मर लगाने के लिए गड्ढे खोदे गए थे।

छपरौला दादरी औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं पर डीएम सख्त, विभागों को समयबद्ध समाधान के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। छपरौला-दादरी औद्योगिक क्षेत्र की आधारभूत समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों और छपरौला दादरी औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। उद्योग प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-91 पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से कराए जा रहे जल निकासी निर्माण कार्य में हो रही देरी, पुराने विद्युत उपकेंद्र में जलभराव, औद्योगिक क्षेत्र में अग्निशमन वाहन की उपलब्धता तथा

नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-4 से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। जिलाधिकारी ने सभी बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर लंबित समस्याओं का समयबद्ध

समाधान सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय राजमार्ग-91 पर जल निकासी कार्य की समीक्षा के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के संबंधित ठेकेदार के बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने मामले से शासन और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के लिए पत्र भेजने के निर्देश दिए। वहीं, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-4 से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए प्राधिकरण और पुलिस विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि औद्योगिक विकास और व्यापारिक गतिविधियों को गति देने के लिए सभी लंबित कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं। साथ ही उद्योग प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखते हुए उनकी समस्याओं का प्रभावी और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उप जिलाधिकारी विवेक भदौरिया, जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक दुबे, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा छपरौला दादरी औद्योगिक क्षेत्र एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर चलाने से रोकने पर घर में घुसकर हमला, सात लोग घायल

जेवर (शिखर समाचार)। गांव दयौरार में तेज रफ्तार से ट्रैक्टर चलाने का विरोध करना एक परिवार को महंगा पड़ गया। आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ित के घर पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से किए गए हमले में एक ही परिवार के सात लोग घायल हो गए। पीड़ित ने छह लोगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। गांव दयौरार निवासी युवराज के अनुसार, गुरुवार को गांव का एक युवक तेज रफ्तार से ट्रैक्टर चला रहा था। उन्होंने उसे धीमी गति से वाहन चलाने की सलाह दी तो वह गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि कुछ देर बाद वह अपने छह साथियों के साथ युवराज के घर पहुंचा और पथराव करते हुए हमला बोल दिया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से परिवार के लोगों पर हमला किया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। हमले में युवराज, उनका बेटा रोहित, भाई की पत्नी, चाची, प्रशांत और मोंटी सहित कुल सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार कराया गया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण, शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधाएं दुरुस्त करने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक को शांतिपूर्ण, सुरक्षित तथा सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों और शिव मंदिरों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, अवरोधक, चिकित्सा सहायता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और यात्रा आरंभ होने से पहले प्रत्येक व्यवस्था की दोबारा जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने मार्गों पर निर्बाध आवागमन, पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए। इसके बाद अधिकारियों ने कल्यानेश्वर महादेव मंदिर और भूतेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंदिर परिसरों में अवरोधक, भीड़ नियंत्रण, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। मंदिर परिसर में स्वच्छता, सुचारु दर्शन व्यवस्था और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन और पुलिस ने कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभागों को पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

11 दिव्यांगजनों को कानूनी संरक्षकता देने पर सहमति, लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। मानसिक एवं बहु-दिव्यांग व्यक्तियों को कानूनी संरक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में लोकल लेवल कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेशनल ट्रस्ट अधिनियम-1999 के तहत प्राप्त आवेदनों पर विचार करते हुए 11 दिव्यांगजनों को कानूनी संरक्षकता प्रमाण पत्र जारी करने पर सहमति प्रदान की गई।

बैठक में ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता तथा बहु-दिव्यांगता से ग्रसित व्यक्तियों के लिए उनके अभिभावकों को कानूनी संरक्षकता प्रदान करने संबंधी 11 आवेदन प्रस्तुत किए गए। जिलाधिकारी और समिति के सदस्यों ने सभी आवेदनों की समीक्षा करने के बाद संबंधित अभिभावकों को संरक्षकता प्रमाण पत्र जारी करने की मंजूरी दी।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल पर लंबित सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र दिव्यांगजन और उनके परिजनों को समय पर कानूनी संरक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को निर्धारित समय में सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी विवेक भदौरिया, जिला कृषि अधिकारी विवेक दुबे, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी टीकम सिंह तथा स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पति पत्नी से मारपीट, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी, तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के बंबावड़ गांव में पति-पत्नी के साथ गाली गलौज के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। हमले में पति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका पैर टूट गया और सिर में भी गंभीर चोट आई। पीड़ित के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने गांव के तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि बंबावड़ गांव निवासी नितिन कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि 28 जून को उनके पिता संजय किसी काम से घर लौट रहे थे। घर के पास पहुंचने पर गांव के अमित, श्यामवीर और रामवीर ने उन्हें रोककर गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों ने संजय के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर संजय की पत्नी पूजा उन्हें बचाने के लिए मौके पर पहुंचीं, लेकिन आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिन्हें आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। मारपीट में संजय का पैर टूट गया और सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनकी पत्नी को भी चोटें आई हैं। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की तहरीर पर तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है और मामले की जांच जारी है।

स्टेडियम में टहल रहे युवक पर हमला, चार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुजाना गांव स्थित स्टेडियम में टहल रहे एक युवक के साथ गाली गलौज के बाद लाठी डंडों से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के बाद पीड़ित ने एक सप्ताह बाद चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि दुजाना गांव निवासी संजय ने दर्ज कराई गई शिकायत में बताया है कि 23 जून की रात करीब नौ बजे वह गांव के स्टेडियम में पैदल टहल रहे थे। इसी दौरान गांव के हर्ष उर्फ काले, चीकू, निक्कू और आदेश उर्फ आदू वहां पहुंचे और उन्हें रोककर गाली गलौज करने लगे। पीड़ित के अनुसार, विरोध करने पर चारों आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में उनके सिर पर गंभीर चोट आई और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटें लगीं। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद पीड़ित ने एक सप्ताह बाद बादलपुर कोतवाली में चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

श्रावण महाशिवरात्रि व कांवड़ यात्रा की तैयारियां तेज, डीएम ने दिए जरूरी निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी श्रावण मास की महाशिवरात्रि और कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित विदुर सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कांवड़ मार्गों का भौतिक सत्यापन कर क्षतिग्रस्त सड़कों की समयबद्ध मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु रहे, इसके लिए आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर, ट्रैफिक साइनेज और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही जर्जर विद्युत पोल एवं लटकते तारों को तत्काल दुरुस्त कर पोलों की टेपिंग कराने के भी निर्देश दिए। डीएम ने निर्देशित किया कि कांवड़ मार्ग पर स्थित सभी ढाबों और रेस्टोरेंट के बाहर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। यात्रा अवधि में नॉन-वेज रेस्टोरेंट बंद रखे जाएं तथा कांवड़ मार्ग और शिविरों के आसपास स्थित शराब की दुकानों को पूरी तरह ढककर रखा जाए। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर विशेष जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए मार्ग पर पर्याप्त मेडिकल कैंप स्थापित करने तथा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं मेडिकल कैंपों में जीवन रक्षक दवाओं के साथ एंटी वेनम और एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेंद्र पाल सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा सहित सभी उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी और पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रीन चौपाल में पर्यावरण संरक्षण का संदेश, ग्रामीणों और बच्चों को निःशुल्क वितरित किए आम के पौधे

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोदीनगर वन क्षेत्र के अंतर्गत विकास खंड भोजपुर की ग्राम पंचायत चुड़ियाला स्थित कंपोजिट विद्यालय में शुक्रवार को ग्रीन चौपाल, पौधारोपण एवं आम भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए लोगों को प्रेरित करना तथा वन विभाग की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में खंड विकास अधिकारी पीयूष वर्मा, जिला परियोजना अधिकारी प्रदीप कुमार पाण्डेय और ब्लॉक प्रमुख सुचिता सिंह शामिल रहीं। अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरित वातावरण के संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी

देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित सिंह ने ग्रामीणों को वन एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने वन विभाग की कार्बन क्रेडिट योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों और भूमि स्वामियों को भी लाभ मिल सकता है। साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी देने वाले प्रचार-पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित आम भंडारा में ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को निःशुल्क आम के पौधे वितरित किए गए। अधिकारियों ने लोगों से पौधों का नियमित संरक्षण करने और अपने आसपास हरियाली बढ़ाने की अपील की।

इस अवसर पर क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित सिंह सहित मोदीनगर वन क्षेत्र का समस्त वन विभागीय स्टाफ, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

आवारा पशु से टकराकर बाइक सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर थाना क्षेत्र में सड़क पर अचानक आए आवारा पशु से बाइक टकराने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम चंपतपुर चकला निवासी 40 वर्षीय जसवंत सिंह गुरुवार देर शाम बाइक से दवा लेने के लिए पास के गांव भोगपुर जा रहे थे। भोगपुर मार्ग पर नहलियोवाला तिराहे के पास अचानक सड़क पर आए एक आवारा पशु से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजन घायल जसवंत सिंह को तत्काल उपचार के लिए गांव के एक निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शुक्रवार सुबह बढ़ापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

हापुड़ में 6 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले, त्योहारी सीजन में मिलावटखोरों पर रहेगी कड़ी नजर

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य-द्वितीय ने जिले में तैनात छह खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए उन्हें नए क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी है। इसका उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की प्रभावी निगरानी और मिलावटखोरी पर अंकुश लगाना है। नई व्यवस्था के अनुसार राम प्रकाश गंगवार को नगर पालिका पिलखुआ क्षेत्र, मोहित कुमार को तहसील धौलाना, विपिन कुमार सिंह को नगर पालिका हापुड़ जोन-01, सोवेन्द्र सिंह पंघाल को नगर पालिका हापुड़ जोन-02, रामेश्वर प्रसाद गुप्ता को तहसील गढ़मुक्तेश्वर तथा सहरिश सादात को हापुड़ देहात क्षेत्र का प्रभार सौंपा गया है। सहायक आयुक्त खाद्य-द्वितीय ने बताया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की जांच, नमूना संग्रह और मिलावटखोरी के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे। विशेष रूप से आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए होटल, ढाबों, मिष्ठान भंडारों और डेयरी प्रतिष्ठानों पर सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा।

बिना लाइसेंस चल रहे स्विमिंग पूल पर खेल विभाग सख्त, हापुड़ के तीन नामी स्कूलों को नोटिस

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के तीन प्रमुख निजी विद्यालयों में बिना आवश्यक अनुमति और निर्धारित सुरक्षा मानकों के स्विमिंग पूल संचालित किए जाने के मामले में खेल विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला खेल अधिकारी अरुणा सिरोही ने तीनों स्कूलों को नोटिस जारी कर निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि गढ़ रोड स्थित एलएन पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) तथा मेरठ रोड स्थित ब्रेन वेल्स स्कूल सीबीएसई से संबद्ध हैं। जांच के दौरान पाया गया कि इन विद्यालयों के स्विमिंग पूलों के संचालन के लिए आवश्यक लाइसेंस और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) उपलब्ध नहीं हैं। साथ ही स्विमिंग पूल संचालन से जुड़े अनिवार्य सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों का भी पूर्ण पालन नहीं किया जा रहा है।

नोटिस में विद्यालय प्रबंधन को निर्धारित अवधि के भीतर सभी लाइसेंस, एनओसी और सुरक्षा संबंधी मानकों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। चेतावनी दी गई है कि यदि तय समय सीमा में नियमों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

16वें वित्त आयोग की कार्यशाला में ओपी राजभर ने उठाई पंचायतों की आवाज, अनुदान व्यवस्था में व्यावहारिक सुधार की मांग

लखनऊ (शिखर समाचार)। 16वें वित्त आयोग के अनुदान विषय पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में पंचायती राज मंत्री ओपी राजभर ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर देते हुए केंद्र सरकार से वित्त आयोग की शर्तों और दिशा-निर्देशों में व्यावहारिक सुधार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंचायतों के प्रभावी संचालन और ग्रामीण विकास को गति देने के लिए अनुदान व्यवस्था को राज्यों की वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप बनाया जाना आवश्यक है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 16वें वित्त आयोग ने 15वें वित्त आयोग की तुलना में स्थानीय निकायों के लिए लगभग दोगुनी धनराशि का प्रावधान किया है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अधिक 57,694 ग्राम पंचायतें हैं, जो देश की कुल ग्राम पंचायतों का लगभग 22 प्रतिशत हैं। राज्य सरकार कम आबादी वाली पंचायतों को स्वावलंबी बनाने के लिए 'पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना' संचालित कर रही है, जिसके तहत पंचायतों द्वारा अर्जित आय का पांच गुना प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

ओपी राजभर ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य वित्त आयोग के माध्यम से पंचायतों को 14,997 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जबकि

16वें वित्त आयोग के तहत उत्तर प्रदेश को केवल 10,675 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्रीय करों में हर वर्ष होने वाली वृद्धि को देखते हुए अनुदान का आवंटन भी एकमुश्त करने के बजाय प्रतिवर्ष बजटीय हिस्सेदारी के आधार पर किया जाए। मंत्री ने ग्राम पंचायतों के लिए प्रति व्यक्ति 1200 रुपये की न्यूनतम आय की पात्रता शर्त को अव्यावहारिक बताते हुए इसे शहरी निकायों की तरह सरल और समान बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अधिकांश पंचायतों के अपने संसाधन सीमित हैं, इसलिए वर्तमान व्यवस्था उनके लिए कठिन साबित हो रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि टाइड और अनटाइड मदों की दिशा-निर्देश अभी तक जारी नहीं होने तथा ई-ग्राम स्वराज पोर्टल की तकनीकी बाधाओं के कारण पेयजल व्यवस्था, विकास कार्यों और पंचायत सहायकों व सामुदायिक शौचालयों के केयरटेकरों के मानदेय का भुगतान प्रभावित हो रहा है। उन्होंने पूर्व की तरह 10 प्रतिशत तकनीकी एवं प्रशासनिक मद को फिर से लागू करने की मांग की, ताकि पंचायतों के संचालन में कोई व्यवधान न आए।

ओपी राजभर ने कहा कि यदि केंद्र सरकार इन व्यावहारिक समस्याओं का समय रहते समाधान करती है तो वित्त आयोग का अनुदान ग्रामीण विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और सुशासन को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संपादकीय

राम मंदिर की आस्था और पारदर्शिता की कसौटी

अयोध्या का राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। वर्षों के संघर्ष, सामाजिक विमर्श और न्यायिक प्रक्रिया के बाद साकार हुआ यह मंदिर देश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। ऐसे में मंदिर के चढ़ावे और धन के कथित दुरुपयोग को लेकर उठे आरोप स्वाभाविक रूप से व्यापक चर्चा और चिंता का विषय बन गए हैं। हाल के दिनों में चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर सामने आए घटनाक्रम, हुई गिरफ्तारियों तथा राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने यह प्रश्न फिर से केंद्र में ला दिया है कि क्या देश के सबसे बड़े धार्मिक संस्थानों के लिए पारदर्शी और आधुनिक वित्तीय व्यवस्था अनिवार्य नहीं हो जानी चाहिए। इस पूरे विवाद में कई तरह के दावे और प्रतिदावे सामने आए हैं। राजनीतिक नेताओं के बयान भी लगातार चर्चा में हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति की जिम्मेदारी या दोष का अंतिम निर्धारण केवल जांच एजेंसियों और न्यायालय की प्रक्रिया से ही होगा। लोकतंत्र में आरोप और राजनीतिक वक्तव्य अपनी जगह हैं, लेकिन न्याय का आधार केवल साक्ष्य और विधिक प्रक्रिया ही हो सकती है। इसलिए इस मामले में किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच पूरी होने और सत्य सामने आने की प्रतीक्षा करना आवश्यक है। लेकिन इस विवाद ने एक बड़ा और गंभीर प्रश्न जरूर खड़ा किया है। आखिर देश के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में चढ़ावे, दान और संपत्तियों के प्रबंधन के लिए ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं है, जिस पर किसी भी प्रकार का संदेह ही पैदा न हो? जब करोड़ों श्रद्धालु अपनी श्रद्धा से दान देते हैं तो उनका यह अधिकार भी बनता है कि उस धन का प्रत्येक रुपया पूरी पारदर्शिता के साथ निर्धारित उद्देश्यों पर ही खर्च हो। देश में ऐसे कई धार्मिक संस्थान हैं, जहां वित्तीय प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक व्यवस्थाएं लागू हैं। उदाहरण के तौर पर वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड में दान की गणना, लेखा परीक्षण, डिजिटल रिकॉर्ड, सुरक्षा निगरानी और प्रशासनिक जवाबदेही की एक सुव्यवस्थित प्रणाली विकसित की गई है। इसी प्रकार कई अन्य बड़े मंदिरों में भी नियमित ऑडिट, सीसीटीवी निगरानी, बैंकिंग प्रणाली और डिजिटल लेखांकन के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। यदि ऐसी व्यवस्थाएं अन्य प्रमुख धार्मिक संस्थानों में सफलतापूर्वक लागू हो सकती हैं तो अयोध्या जैसे राष्ट्रीय महत्व के तीर्थ में भी इससे बेहतर व्यवस्था स्थापित की जानी चाहिए। यह विषय केवल धन के प्रबंधन तक सीमित नहीं है। यह श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। मंदिरों की सबसे बड़ी पूंजी उनका आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि लोगों का अटूट विश्वास होता है। यदि इस विश्वास पर संदेह की छाया भी पड़ती है तो उसका प्रभाव केवल एक संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे धार्मिक वातावरण पर पड़ता है। इसलिए पारदर्शिता को किसी आरोप के जवाब के रूप में नहीं, बल्कि संस्थागत संस्कृति का स्थायी हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आज तकनीक के युग में ऐसा करना कठिन भी नहीं है। दान पेटियों की पूरी प्रक्रिया का डिजिटल रिकॉर्ड, स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा नियमित ऑडिट, वार्षिक आय-व्यय का सार्वजनिक प्रकाशन, ऑनलाइन लेखा विवरण, दान की गणना के दौरान बहुस्तरीय निगरानी और समय-समय पर सामाजिक लेखा परीक्षण जैसी व्यवस्थाएं किसी भी प्रकार के विवाद की संभावना को काफी हद तक समाप्त कर सकती हैं। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

~ मौलिक चिंतन ~

सफलता यदि सम्मान के साथ चाहिए, तो चाटुकारिता से पक्का परहेज करें।

~~~~~~~~

©

विनय संकोची

अकेले क्यों थकना, जब साथ मिलकर बदल सकते हैं जमाना!

दिलीप कुमार पाठक

सोचिए, अगर हाथ की सिर्फ एक उंगली से किसी भारी चीज को उठाने की कोशिश करें, तो क्या होगा? शायद उंगली में मोच आ जाएगी। लेकिन जब पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं, तो ताकत कई गुना बढ़ जाती है। बस यही सीधा सा फंडा है सहकारिता का। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मैं, मेरा और मुझे में खोए रहते हैं। लेकिन साल में एक दिन ऐसा आता है जो हमें याद दिलाता है कि जिंदगी की असली गाड़ी अकेले नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने से ही सुचारू रूप से चलती है। जुलाई का पहला शनिवार इसी एकता और भाईचारे के नाम होता है, जिसे लोग तकनीकी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस कह देते हैं।

बहुत से लोग इस भारी-भरकम शब्द को सुनकर कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन इसका मतलब बहुत ही सीधा है - एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। हमारे समाज में हर किसी के पास बहुत सारा पैसा या बड़ी-बड़ी सिफारिशें नहीं होतीं। किसी के पास कोई छोटा सा हुनर होता है, तो किसी के पास थोड़ी सी जमीन। अब अकेले दम पर तो बड़ा बिजनेस खड़ा करना मुमकिन नहीं है। ऐसे में कुछ लोग आपस में मिलते हैं, अपनी थोड़ी-थोड़ी जमापूंजी एक जगह जमा करते हैं और मिलकर काम शुरू कर देते हैं। यहां कोई बड़ा बॉस या नौकर नहीं होता। जितने लोग, उतने मालिक। सब मिलकर फैसला लेते हैं और जो भी फायदा होता है, उसे आपस में खुशी-खुशी बांट लेते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां कोई किसी का हक नहीं मार सकता। इस जादुई फॉमूर्ले की सबसे बड़ी मिसाल हमारे घरों में सुबह-सुबह आने वाला अमूल दूध है। बरसों पहले गुजरात के कुछ सीधे-साधे किसानों ने मिलकर बिचौलियों की मनमानी के खिलाफ एक छोटी सी मंडली बनाई थी। आज वही छोटी सी शुरूआत दुनिया का इतना बड़ा ब्रांड बन चुकी है कि हर घर की सुबह उसके बिना अधूरी है। इसी तरह सिर्फ सात महिलाओं ने अस्सी रुपये उधार लेकर पापड़ बनाने का काम शुरू किया था, जिसे आज हम लिज्जत पापड़ के नाम से जानते हैं। आज इस काम से देश की हजारों महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं और गर्व से अपना घर चला रही हैं। ये कहानियां गवाह हैं कि जब आम लोग एक साथ आ जाते हैं, तो बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने भी उनके आगे फीके पड़ जाते हैं।आज के समय में जब हर तरफ सिर्फ अपना फायदा देखने की होड़ मची है, वहां यह सोच किसी ठंडी हवा के झोंके जैसी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां सिर्फ अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगी रहती हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का भी नुकसान करना पड़े। लेकिन जब लोग मिलकर कोई समिति या ग्रुप बनाते हैं, तो वे सिर्फ पैसे के पीछे नहीं भागते। वे अपने साथ-साथ अपने गांव, अपने पड़ोसियों और पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं। यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सबके वोट की कीमत बराबर होती है। यही वजह है कि यह मॉडल समाज से मंदी और बेरोजगारी जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। खासकर हमारे गांवों और छोटे कस्बों में यह सोच किसी वरदान से कम नहीं है। छोटे किसानों को सस्ते दाम पर खाद-बीज दिलाना हो, महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के जरिए आत्मनिर्भर बनाना हो या कम ब्याज पर लोन देना हो, यह आपसी सहयोग हर जगह ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम अपनी छोटी-छोटी ताकतों को मिला लें, तो एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी की जा सकती है जो हर मुसीबत को रोक देगी। तो चलिए, आज के दिन से एक नई शुरूआत करते हैं। अपने आस-पास की ऐसी छोटी समितियों, स्थानीय कारीगरों और मिलकर काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट करें। बाजार से सामान खरीदते वक्त बड़े ब्रांड्स के चमकीले विज्ञापनों में फंसने के बजाय अपने ही लोगों की मेहनत को तवज्जो दें। जब हम एक-दूसरे का सहारा बनेंगे, तभी देश का हर कोना तरक्की करेगा। आखिर असली मजा तो सबके साथ आगे बढ़ने में ही है! (लेखक पत्रकार हैं)

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की।गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली।

11 सितंबर सन् 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली ह्यवेदांत सोसाइटीह्न की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं ह्रदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए।

मोदी का 'मिशन 360': सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

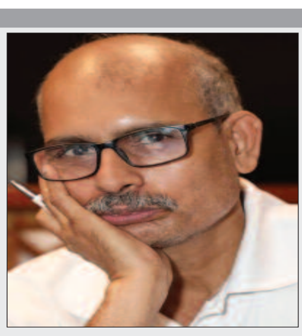

विनोद कुमार सिंह

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

भारतीय राजनीति में इन दिनों 'मिशन 360' शब्द तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा आने वाले वर्षों में संसद के दोनों सदनों में इतना व्यापक संख्याबल प्राप्त करना चाहती है, जिससे केवल सरकार चलाना ही नहीं, बल्कि बड़े संवैधानिक और नीतिगत निर्णयों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती मानते हुए आरोप लगाता है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक सेंध लगाकर अपना विस्तार करना चाहता है। ऐसे में 'मिशन 360' केवल एक राजनीतिक चर्चा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा और भविष्य से जुड़ा विमर्श बन चुका है।

भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता। लोकतंत्र का मूल आधार जनता की स्वीकृति है। यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है। किंतु जब बहुमत का विस्तार विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संरचना के माध्यम से होता दिखाई देता है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि आज बहुमत और मयार्दा, दोनों समान रूप से चर्चा के विषय हैं।

लोकसभा में सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत पर्याप्त होता है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक मामलों में विशेष बहुमत तथा कुछ विषयों पर आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है। महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन, 'एक देशझ्रएक चुनाव', न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि कोई भी सरकार संसद में अधिक मजबूत स्थिति क्यों चाहेगी। इस दृष्टि से संसदीय संख्याबल केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नीति निर्माण की क्षमता से भी जुड़ा है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद 'आया राम, गया राम' भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया और 2003 के 91वें संविधान संशोधन द्वारा इसे और कठोर बनाया गया। इसके बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ पहले शिवसेना और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन हुआ। इन घटनाओं ने केवल सरकारें नहीं बदलीं, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों और सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक व्याख्याओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि आज राजनीतिक संघर्ष केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रह गया है; चुनाव के बाद की रणनीति भी सत्ता के समीकरण तय कर रही है।

पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनावों के पहले और बाद कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं। कुछ नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि कुछ बाद में वापस लौट आए। इससे यह प्रश्न और गहरा हुआ कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी होता जा रहा है। दिल्ली और पंजाब में भी समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं, हालांकि अधिकांश मामलों में उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। फिर भी इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।

भाजपा का पक्ष यह रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वेच्छा से उसके साथ जुड़ते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निर्णय जनता चुनाव में देती है। दूसरी ओर विपक्ष आरोप लगाता है कि केंद्रीय एजेंसियों, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या दल परिवर्तन जनादेश का सम्मान है या उसका पुनर्लेखन?

संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को जीवनभर किसी दल से बंधे रहने के लिए बाध्य नहीं करता। वहीं दूसरी ओर दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना है। यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ विशेषज्ञ यह सुझाव देते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए, जबकि अन्य विशेषज्ञ अत्यधिक कठोर कानून को प्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता के विरुद्ध मानते हैं।

यदि 'मिशन 360' जैसी कोई रणनीति वास्तव में अस्तित्व में है, तो उसका आधार केवल विपक्ष को कमजोर करना नहीं, बल्कि पूरे देश में संगठनात्मक विस्तार भी हो सकता है। पिछले एक दशक में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और नए सामाजिक वर्गों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया है। अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन और संगठन विस्तार भी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है।

दूसरी ओर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी दल कई राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। नेतृत्व, विचारधारा, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और चुनावी हितों के कारण साझा रणनीति बनाना कठिन होता रहा है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसके पीछे केवल सत्ता पक्ष की रणनीति ही नहीं, बल्कि उसके मूल दल की संगठनात्मक कमजोरियाँ, नेतृत्व संकट और भविष्य को लेकर असंतोष भी कारण हो सकते हैं। इसलिए हर राजनीतिक परिवर्तन को केवल किसी 'ऑपरेशन' का परिणाम मान लेना भी वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।

यदि भविष्य में भाजपा संसद में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करती है, तो उसके सामने अवसरों के साथ संवैधानिक जिम्मेदारियाँ भी बढ़ेंगी। 'एक देशझ्रएक चुनाव', परिसीमन, महिला आरक्षण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषय केवल संख्याबल से नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और लोकतांत्रिक संवाद से ही सफल हो सकते हैं। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन संवाद और सहमति उसकी स्थायी शक्ति हैं।

उधर विपक्ष के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि वह हर राजनीतिक परिवर्तन का दोष केवल सत्ता पक्ष पर मढ़ने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करता है, तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन की संभावना और मजबूत विपक्ष की उपस्थिति में निहित होती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का भारतीय मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और निर्णायक है। वह केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि विकास, सुशासन, नेतृत्व, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों और प्रशासनिक प्रदर्शन को भी समान महत्व देता है। इसलिए संसद में स्थायी बहुमत का वास्तविक आधार अंततः जनता का सतत विश्वास ही होता है, न कि केवल राजनीतिक जोड़-तोड़।

आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार को व्यापक जनसमर्थन में बदल पाती है, क्या विपक्ष स्वयं को विश्वसनीय विकल्प के रूप में पुनर्गठित कर पाता है और क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखती हैं।

'मिशन 360' आज भले ही राजनीतिक चचाओं का विषय हो, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा संसद के भीतर नहीं, बल्कि जनता की अदालत में होगी। यदि किसी दल को व्यापक जनादेश चुनावों के माध्यम से प्राप्त होता है तो वह लोकतंत्र की स्वाभाविक सफलता होगी। किंतु यदि बहुमत का विस्तार मुख्यतः विपक्षी दलों में लगातार टूट के माध्यम से होता है, तो लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठते रहेंगे। उसी प्रकार यदि विपक्ष अपनी कमजोरियों का आत्मविश्लेषण किए बिना प्रत्येक राजनीतिक परिवर्तन को केवल सत्ता पक्ष की रणनीति बताता रहेगा, तो वह भी अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि 'मिशन 360' सफल होगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत की राजनीति आगे किस दिशा में विकसित होगी—क्या वह केवल संख्याओं का लोकतंत्र बनेगी या संवैधानिक मूल्यों, स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनविश्वास पर आधारित एक अधिक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ेगी। आने वाले वर्षों का राजनीतिक इतिहास इसी प्रश्न का उत्तर तय करेगा।

~~~~~~~~

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट । कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है ।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

आँक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्रोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत- सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफाँस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फाँस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है।बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हें।

साधारणत: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्ररण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़ हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हें। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान तलाशने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री के हालिया आंध्र प्रदेश दौरे के बाद लिया गया, जहां किसानों ने उन्हें बताया कि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग में बड़े पैमाने पर उपयोग होने वाली तोतापुरी आम की किस्म के दाम पिछले कुछ महीनों में काफी गिर गए हैं।किसानों ने बताया कि कीमतों में लगातार गिरावट से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है और आम उत्पादक किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है।इन परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री ने आईसीएआर को वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जो तोतापुरी आम से जुड़े पूरे क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करेगी।समिति को खेती, प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू व्यापार और निर्यात सहित पूरी वैल्यू चेन का विश्लेषण करने और किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं टिकाऊ विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।कृषि मंत्री ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करे। इस दौरान समिति किसानों, प्रोसेसिंग उद्योग के प्रतिनिधियों, निर्यातकों, राज्य के बागवानी विभाग के अधिकारियों, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन करेगी।समिति तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत, किसानों की आय, प्रसंस्करण क्षमता और उसके उपयोग, मांग और आपूर्ति की स्थिति तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में आई गिरावट के कारणों का अध्ययन करेगी।

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 262 अंक उछला; रियल्टी, आईटी और फार्मा शेयर चमके

मुंबई।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

इस दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,270.85 पर पहुंच गया।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,502.12 से 0.83 प्रतिशत यानी 650.22 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 78152.34 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 655.40 अंकों यानी 0.84 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,157.52 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.70 से 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 0.83 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,378.15 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार तीन सत्रों की बढ़त के साथ सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वहीं, एनएसई में तीन दिनों में 400 से अधिक अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तरह, इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार चौथे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी हेल्थकेयर (1.8 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.7 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.7 प्रतिशत) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.16 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया।

डॉलर सूचकांक के मुकाबले पिछले 15 महीनों के उच्च स्तर से नीचे आने से रुपये को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद आयातकों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग के कारण रुपये पर दबाव कायम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.16 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 19 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.35 पर बंद हुआ था।इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 100.81 पर रहा जो हाल के 15 महीनों के उच्च स्तर 101.6 से नीचे है।

झारखंड का आईटी क्रांति पर जोर, 'विजन 2050' के लिए दिल्ली में बैठक

रांची ।

झारखंड सरकार अपने महत्वाकांक्षी 'विजन 2050' के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में, राज्य सरकार 8 जुलाई से नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श सम्मेलन आयोजित करेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य झारखंड को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज के क्षेत्र में एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रमुख नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज जैसे क्षेत्रों में राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने पर केंद्रित होगा, साथ ही औद्योगिक निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। सम्मेलन के दौरान, झारखंड में निवेश एवं आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से कई प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जो राज्य के 'एक्सप्लोर इनफिनिट अपॉर्च्युनिटीज' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक तीन गुना बढ़कर 100 गीगावाट होने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक बढ़कर 100 गीगावाट हो सकती है, जो कि 2025 में 32 गीगावाट है। साथ ही स्थापित एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की क्षमता 10 गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में इस तेज वृद्धि का श्रेय कंपनियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, आसमान छूते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा लचीलेपन की बढ़ती आवश्यकता को दिया गया है, जिसमें राज्य-स्तरीय नियामक इनोवेशन स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। यह रिपोर्ट नई दिल्ली के यशोभूमि (आईआईसीसी) में 8-10 जुलाई को होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक(आईईएसडब्ल्यू) 2026 में जारी की जाएगी। इसमें 200 से अधिक प्रदर्शक और 10,000 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स शामिल होंगे। यह इवेंट क्लीन एनर्जी वैल्यू चेन में पॉलिसी पर चर्चा, टेक्निकल जानकारी के आदान-प्रदान और इनोवेशन को दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच होगा। आईईएसडब्ल्यू 2026 में भारी उद्योग, खान, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यावरण जैसे अहम मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधियों और रेगुलेटरी बॉडीज के साथ मिलकर खुली बातचीत करेंगे। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस इवेंट में पॉलिसी से जुड़ी रुकावटों, राज्य-स्तर के सुधारों और इंडस्ट्री की जरूरतों पर खुलकर चर्चा होगी। इसका मकसद भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव) को तेजी देने के लिए ऐसे समाधान निकालना है जिन्हें असल में लागू किया जा सके। आईईएसडब्ल्यू के अध्यक्ष देबमाल्य सेन ने कहा, ÷हमारी नई रिसर्च से पता चलता है कि भारत का सीएंडआई (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) एनर्जी स्टोरेज मार्केट न सिर्फ बढ़ रहा है, बल्कि एक नए दौर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्यों की दूरदर्शी नीतियों और

कॉर्पोरेट जगत से बढ़ती मांग के कारण, स्टोरेज अब सिर्फ बैकअप नहीं, बल्कि मजबूती और डीकार्बोनाइजेशन के लिए एक अहम रणनीतिक टूल बनता जा रहा है।

अभी जो तेजी दिख रही है, वही अगले दशक में इस सेक्टर की दिशा तय करेगी।÷ रिपोर्ट में महाराष्ट्र की नई रिन्यूएबल एनर्जी और स्टोरेज पॉलिसी पर जोर दिया गया है, जिसके तहत 100 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले हर नए रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के लिए स्टोरेज की सुविधा जरूरी है। इस पॉलिसी के अनुसार, डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों को भी वित्त वर्ष 2035-36 तक अपनी कुल बिजली का 10 प्रतिशत हिस्सा स्टोरेज से हासिल करना होगा। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान भी कॉस्ट-रिफ्लेक्टिव बैंकिंग, सेटलमेंट पॉलिसी और ट्रांसमिशन चार्ज में छूट जैसे उपायों के जरिए इसे तेजी से अपनाने में मदद कर रहे हैं। स्टोरेज तकनीक को अपनाने में इंडस्ट्रियल यूनिट्स सबसे आगे रहेंगी और कुल ईएसएस इंस्टॉलेशन में इनकी हिस्सेदारी आधे से अधिक होगी। वहीं, डेटा सेंटर और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे कि हॉस्पिटल, मेट्रो और रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट में इसकी सबसे तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

उज्ज्वला योजना अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे नए नियम, लाभार्थियों को मिलेंगे लगभग 1200 कम

नई दिल्ली ।

द्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उज्ज्वला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से उसके डिजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी। इसके बाद साझेदारी को पांच वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा।

जून में भी भारत को सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई करने वाला देश बना अमेरिका

नई दिल्ली।

अमेरिका जून में भी भारत को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाला देश बना रहा। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है, जिसके चलते अमेरिका ने पारंपरिक खाड़ी देशों पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत ने अमेरिका से 7.73 लाख मीट्रिक टन (773.78 टीएमटी) एलपीजी आयात की, जो मई की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून के दौरान भारत का कुल एलपीजी आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 11.91 लाख मीट्रिक टन (1,191 टीएमटी) हो गया, जबकि मई में यह 11.55 लाख मीट्रिक टन (1,155 टीएमटी) था। जून में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा, जहां से आयात 16.6 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया, जो मई में 1.34 लाख मीट्रिक टन था।

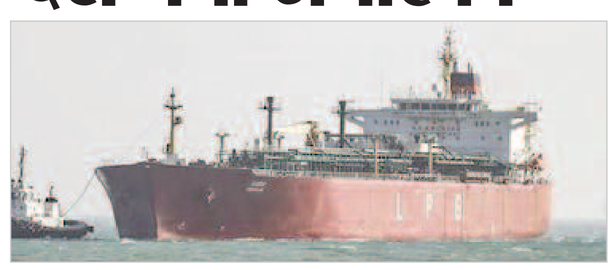

वहीं, सऊदी अरब और कुवैत ने जून में भारत को 64-64 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की।

अमेरिका से एलपीजी आयात में लगातार बढ़ोतरी भारत की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध बनाया जा रहा है। इसी दिशा में सरकारी तेल रिफाइनरियों ने 2026 से अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है, जिससे भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग और मजबूत होगा तथा खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

आईटी सेक्टर- पहली तिमाही में बड़ी कंपनियों को झटका, मिडकैप रहेंगे मजबूत

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही चुनौतियों भरी रह सकती है। वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनावों का असर बड़ी कंपनियों की आय और ग्रोथ पर साफ दिखेगा। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान छोटी और मध्यम आकार की आईटी कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख आईटी कंपनियों में इन्फोसिस सबसे मजबूत ग्रोथ दर्ज कर सकती है, जिसके बाद टेक महिंद्रा का स्थान रहेगा। टीसीएस लगभग पिछली तिमाही जैसा कारोबार दिखाएगी, जबकि एचसीएलटेक और विप्रो के राजस्व में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, मिड साइज सेगमेंट में कोफोर्ज सबसे तेज ग्रोथ दिखा सकती है। हेक्सावेयर, परसिस्टेंट सिस्टम्स और एम्फैसिस से भी अच्छे नतीजों की उम्मीद है। नुवामा का कहना है कि ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट तो मिलेंगे, लेकिन राजस्व में बड़ी उछाल की संभावना कम है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश कंपनियों के ऑपरेटिंग मार्जिन स्थिर रहने की उम्मीद है, हालांकि वेतन वृद्धि वाली कंपनियों पर थोड़ा दबाव रहेगा। कंपनियाँ अपने वार्षिक अनुमानों को बरकरार रख सकती हैं।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए, साथ ही मिलेगा मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

नई दिल्ली।

भारत के 7 स्टार्टअप्स को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आइडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ संरचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वर्चुअल संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियां तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने फिक्की और मर्सिडीज-बेंज इंडिया को इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहल भारत के तेजी से विकसित हो रहे इनोवेशन इकोसिस्टम और देश के युवा उद्यमियों की अपार क्षमता को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि समय पर मिलने वाला मार्गदर्शन और सहयोग नवाचार करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप समाधान विकसित

करने में मदद करता है। उनके अनुसार, इस तरह के साझेदारी आधारित प्रयास भारत को नवाचार-आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने और वैश्विक इनोवेशन लीडर बनाने के लिए बेहद आवश्यक हैं।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है।

रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया।

कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, ÷पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घरेलू निवेशकों का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है, जबकि विदेशी निवेशक अब अधिक सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं और पारंपरिक रियल एस्टेट एसेट्स से हटकर दूसरे क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं।÷ 2026 की पहली छमाही के दौरान ऑफिस एसेट्स निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बने रहे, जिसमें घरेलू निवेशकों ने चालू ऑफिस प्रॉपर्टीज में अधिकतर निवेश किया।

साल की पहली छमाही में मिक्स्ड-यूज और वैकल्पिक एसेट्स में से हर एक में लगभग 0.8 अरब डॉलर का निवेश हुआ और कुल निवेश में इनका हिस्सा लगभग पांचवां हिस्सा रहा। इसके अलावा, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 0.3 अरब डॉलर का निवेश दर्ज किया गया, जो एक साल पहले की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इसके उलट, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 43 प्रतिशत घटकर 0.5 अरब डॉलर रह गया, क्योंकि बढ़ती लागत और घरों की बिक्री में कमी के बीच निवेशक सतर्क रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके के हिसाब से देखें तो चेन्नई और बेंगलुरु में कुल मिलाकर लगभग 1.2 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो 2026 की पहली छमाही के दौरान संस्थागत निवेश का लगभग 27 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 262 अंक, निफ्टी 95 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में उछाल दर्ज किया गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक बढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.15 अंक उछलकर 24,270.85 पर पहुंच गया। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज कारोबार के दौरान सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरे। निफ्टी एनर्जी , निफ्टी ऑटो , निफ्टी मीडिया , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी बैंक का स्थान रहा। निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मैक्स हेल्थकेयर, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैब्स, बजाज फिनसर्व, अपोलो हॉस्पिटल्स और भारती एयरटेल शामिल रहे। वहीं एक्सिस बैंक, एसबीआई, एलएंडटी, बजाज-ऑटो, एचडीएफसी लाइफ, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 479.75 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 480.24 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया।

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, जीएसटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शहरों से बढ़ी हुई मांग और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रुचि और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस गतिविधियों के दम पर जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त वर्ष 27 के लिए वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।÷

वित्त वर्ष 27 में महंगाई दर लगभग 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, हालांकि, भू-राजनीतिक जोखिम और अल नीनो पर नजर रखना जरूरी है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 27 में अपने 25 रेटेड सेक्टरों में से 22 के लिए स्थिर क्रेडिट आउटलुक का अनुमान लगाया गया है। इसे मजबूत घरेलू मांग, सरकार के लगातार कैपिटल खर्च, अच्छी बैलेंस शीट, बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित कैश फ्लो का समर्थन मिला है।

टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरेजिंग (कर्ज कम करने), पॉलिसी सपोर्ट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

–सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रुख नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनो मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौरे में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखना होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि

स्पिनरों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजी में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम है। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक, फिल सॉल्ट और टॉम बैंटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हैरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रुख पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत – श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड – हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

–कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनो ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

तीन मैचों की यह एकदिवसीय श्रृंखला क्रमशः 14, 16 और 19 जुलाई को खेली जाएगी। पहला मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में, दूसरा मुकाबला कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में और निर्णायक तीसरा मैच क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

इस टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। मार्च 2021 के बाद पहली बार एकदिवीसय क्रिकेट में वापसी कर रहे आर्चर इंग्लैंड के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकते हैं। अपनी रफ्तार, बाउंस और यॉर्कर से दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आर्चर की वापसी इंग्लैंड के लिए बेहद अहम है।

16 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीश को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुँचे

जाग्रेब, क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश नें ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाते हुए खुद को सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँचा दिया है, पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमवतन प्रज्ञानन्दा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डेनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद गुकेश नें लगातार दो बाजियों में क्रमशः नीदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और अनीश गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर पहुँच गए है अब अंतिम दिन उन्हें उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव, जर्मनी के विंसेंट केमर और फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा का सामना करना है, वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह क़ायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसत्तोरोव और अलीरेजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की, फ़िलहाल फ्रांस के अलीरेजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे है गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर है.

फीफा विश्वकप : स्विट्ज़रलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंकूवर (एजेंसी)। ब्रिल एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्जरलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्जरलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किस पर इसके बाद स्विट्जरलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिय।। मैच में योहान मंजाम्बी के एक क्रास पर ब्रिल एम्बोलो ने गोल दागकर स्विस टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किस पर वह गोल करने में असफल रही।

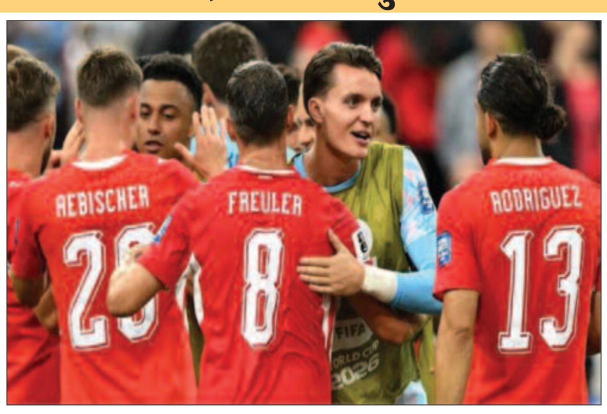

वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शॉट को रोकने का पूरा प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्जरलैंड की ओर से फैबियन रीडर ने इसके बाद एक अच्छा मूव बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्जरलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्जरलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंच गईं थीं जबकि ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

‘सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा’, डेब्यू का इंतजार कर रहे युवा खिलाड़ी पर बोले पूर्व विकेटकीपर

स्पोर्ट्स डेस्क । वैभव सूर्यवंशी का इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है, जबकि उन्हें टीम में शामिल करने की मांग तेज होती जा रही है। 15 साल के इस शानदार बल्लेबाज को आयरलैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला और इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में भी उन्हें जगह नहीं मिली। लगातार बाहर रहने के बावजूद उन्हें लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है। IPL में शानदार प्रदर्शन के बाद सूर्यवंशी को पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों का भरपूर समर्थन मिला है। कई लोगों का मानना है कि उन्हें जल्द ही मौका मिलना चाहिए। लेकिन भारत के पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल का मानना है कि सूर्यवंशी को थोड़ा सब्र करना सिखाना होगा। पटेल ने जियोस्टार पर कहा, ‘मुझे लगता है कि इस सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को जरूर मौका मिलेगा। लेकिन इस समय बातचीत बहुत जरूरी है। आप जानते हैं कि जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं, तो आपको यह पक्का करना होता है कि आप बल्लेबाज को सही संकेत दे रहे हैं।’ भारत के पूर्व विकेटकीपर ने आगे कहा कि सूर्यवंशी को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी देने से उन्हें डेब्यू का इंतजार करते समय सब्र बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुम्बई । क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंबार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रैडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रैडमैन ने साल 1936–37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रैडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को धवस्त करते हुए 9 पारियों में अविश्वसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शून्य पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कमाल की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंगलवुड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी के साथ ही 36 साल पुराने सबसे अधिक तक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अब तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पछाड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है। उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में कतर में खेले गए विश्व कप से शुरू हुआ था।

महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पुरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी एलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो एलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पेरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयीं थी। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्वाड्रिसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पेरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पेरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

रोनाल्डो और पुर्तगाल ने अपने पूर्व खिलाड़ी डियोगो जोटा को दी श्रद्धांजलि, कार दुर्घटना में हो गया था निधन

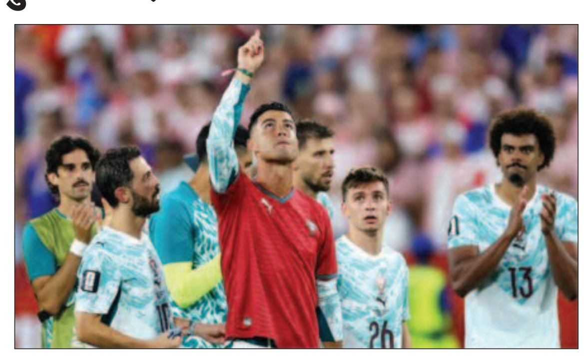

टोरंटो । दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल ने गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया पर 2–1 से विश्व कप जीत के बाद अपने पूर्व साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। क्रोएशिया के खिलाफ पेनल्टी के जरिए राउंड–ऑफ–32 मुकाबले में पुर्तगाल के लिए अपना पहला गोल करने वाले रोनाल्डो ने अंतिम सीटी बजने के बाद जोटा की नंबर 21 पुर्तगाल जर्सी पहनी और भावुक होकर अपने साथियों के साथ इकट्ठा होते हुए आसमान की ओर इशारा किया। शुक्रवार को जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में मृत्यु को ठीक एक साल पूरा हो जाएगा। डियोगो जोटा ने पुर्तगाल के लिए 49 मैच खेले और 14 गोल किए। रोनाल्डो ने फॉक्स न्यूज़ से कहा, ‘हमें मैच से पहले ही पता था, यह एक बहुत ही खास पल था। आज हम सब मिलकर जीवन के इस संयोग के बारे में बात कर रहे हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं आश्चर्यचकित था क्योंकि आज की स्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है, न केवल इसलिए कि हमने मैच जीता बल्कि जिस तरह से हमने जीता।’

इंग्लैंड ने दक्षिण अफीका को हराकर टी20 महिला विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई

-रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यहां उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नैट साइवर–ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर–ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्माइल ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्लाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर–ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को विकेट दिलाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटरों, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिश्माई घूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी चयनकर्ताओं ने हरभजन को अवसर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन के सिर से पिता का साया उठ गया, जिसके बाद पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि वह इस कदर मजबूर हो गए थे कि उन्होंने क्रिकेट छोड़ने और अपनी आजीविका चलाने के लिए अमेरिका जाकर ट्रक ड्राइवर बनने तक की योजना बना ली थी।

यह हरभजन के जीवन का सबसे कठिन दौर था, लेकिन उनकी बहनों ने इस समय उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अवसर मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने इस युवा ऑफ स्पिनर पर गहरा भरोसा जताया और उन्हें टीम में शामिल करने का साहसिक निर्णय लिया। गांगुली के इस फैसले ने न केवल हरभजन के करियर को नई दिशा दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास को भी हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। इस ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के तीन मैचों में हरभजन ने अकेले दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त करते हुए कुल 32 विकेट झटके। इसी सीरीज में उन्होंने शानदार हैट्रिक ली, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा ली गई पहली हैट्रिक थी। इस सीरीज ने न सिर्फ हरभजन का करियर पुनर्जीवित किया, बल्कि उन्हें टीम इंडिया का एक अविस्मरणीय और मुख्य गेंदबाज भी बना दिया।

हरभजन की सबसे बड़ी ताकत उनकी आक्रामक शैली, कभी न हार मानने वाला जज्बा और उनकी रहस्यमयी गेंद ‘दूसरा’ थी। एक ऑफ स्पिनर होते हुए भी गेंद को लेग स्पिनर की तरह बाहर की तरफ निकालने की इस दुर्लभ कला ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को भी भ्रमित कर दिया। भज्जी केवल टेस्ट क्रिकेट के ही नहीं, बल्कि सीमित ओवरों के भी बेताज बादशाह थे। वह भारत की दो सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीतों - 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्व कप - विजेता टीम के प्रमुख और अभिन्न सदस्य रहे। इसके अलावा, निचले क्रम में आकर जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाकर टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3937

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23 → 1 2 3 4 6 ; ↑ 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3936 का हल

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3937

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3936

सूडोकु -3937

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3936 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3937

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3936 का हल

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप
- दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून
- इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून
- गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रुट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप
- दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी
- हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी
- घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा
- अजवाइन: 1/4 टीस्पून
- 3 हरी मिर्च बारीक काटी
- 1/2 छोटी कटोरी दाल
- नमक: स्वाद के अनुसार
- पराठा सेंकने के लिए तेल
- जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

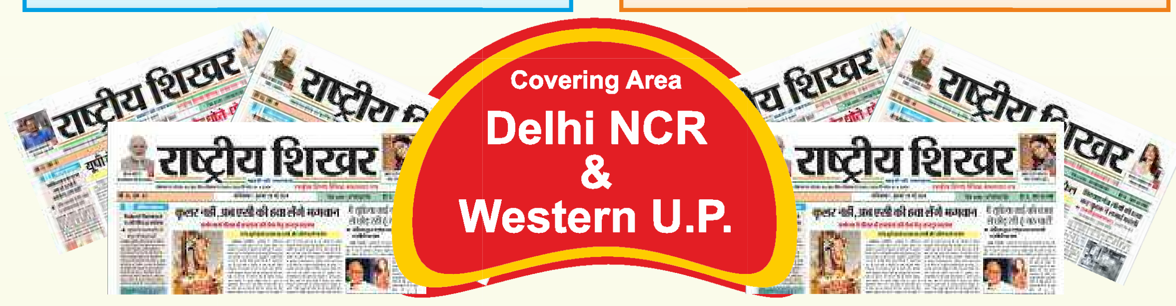

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

काम के प्रति सलमान के समर्पण के फैन हुए पुलकित

2012 में 'बिट्टू बॉस' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले पुलकित सम्राट ने 'फुकरे' से इंडस्ट्री में लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद पुलकित कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में पुलकित ने सलमान खान की एक खास सलाह के बारे में बात की, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। साथ ही पुलकित ने यह भी बताया कि बिना किसी मेंटर के इंडस्ट्री में आगे बढ़ना उनके लिए कितना मुश्किल रहा।

पुलकित ने बताया कि अपनी पहली फिल्म के समय हर नए कलाकार की तरह फिल्म के रिलीज होने से पहले वह भी घबराए हुए थे, लेकिन सलमान की बातों ने स्टारडम के बारे में उनका नजरिया बदल दिया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत घबराया हुआ था और सोच रहा था कि दर्शक फिल्म और मेरी परफॉर्मेंस को कैसा रिस्पॉन्स देंगे। सलमान भाई ने बस मेरी तरफ देखा और कहा, 'पुलकित, मैं सलमान खान हूं। यहां तक कि मुझे भी अपने अगले शुक्रवार की कोई गारंटी नहीं है। तो तुम खुद को क्या समझते हो? इसके बारे में टेंशन लेकर तुम क्या हासिल कर लोगे?' सलमान की इस सलाह से मुझे यह एहसास हुआ कि अगर उनके कद का कोई व्यक्ति बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी नहीं दे सकता, तो मेरे लिए इस बात की चिंता या तनाव करने का कोई कारण नहीं है।

पुलकित ने आगे सलमान के काम के प्रति समर्पण की तारीफ करते हुए कहा कि वो 24 घंटे फिल्मों के बारे में ही सोचते रहते हैं। कभी-कभी जब उन्हें सिर्फ तीन घंटे की नींद मिल पाती है, तब भी वे अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में ही सोचते रहते हैं। चाहे वह किसी किरदार के लिए सही व्यक्ति को चुनना हो या फिर किसी बड़े एक्शन सीन पर विचार करना हो जिसे दर्शक थिएटर में पसंद करें। उनके इस समर्पण को देखकर मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं उनकी कामयाबी का 50% भी हासिल करना चाहता हूं, तो मुझे 500% ज्यादा मेहनत करनी होगी।

रश्मिका मंदाना फिर करेंगी अल्लू अर्जुन के साथ काम

शाहरुख कर सकते हैं कैमियो

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी।

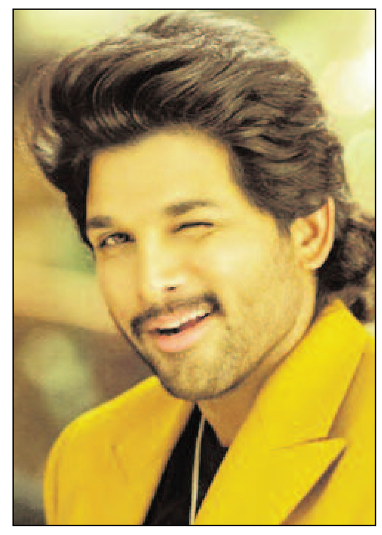

अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका!

वैरायटी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख खान का होगा कैमियो?

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं।

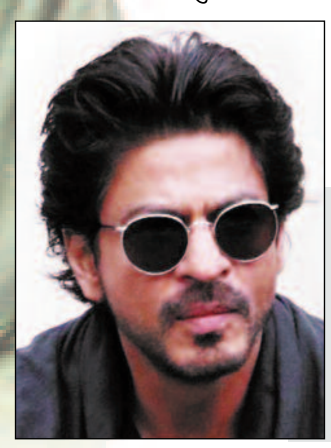

फिल्म से जुड़ी और जानकारी

बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

फिल्मों में स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की।

उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें। चेतना पांडे ने कहा, ''करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।''

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, ''मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।'' चेतना ने कहा, ''मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।'' 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

हॉलीवुड में मेरा अभी बेस्ट काम आना बाकी है

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है।

प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाएं। अगला बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूं जैसी भारत में ला पाई हूं। इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्राथमिकताएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूं कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूं। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूं। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।

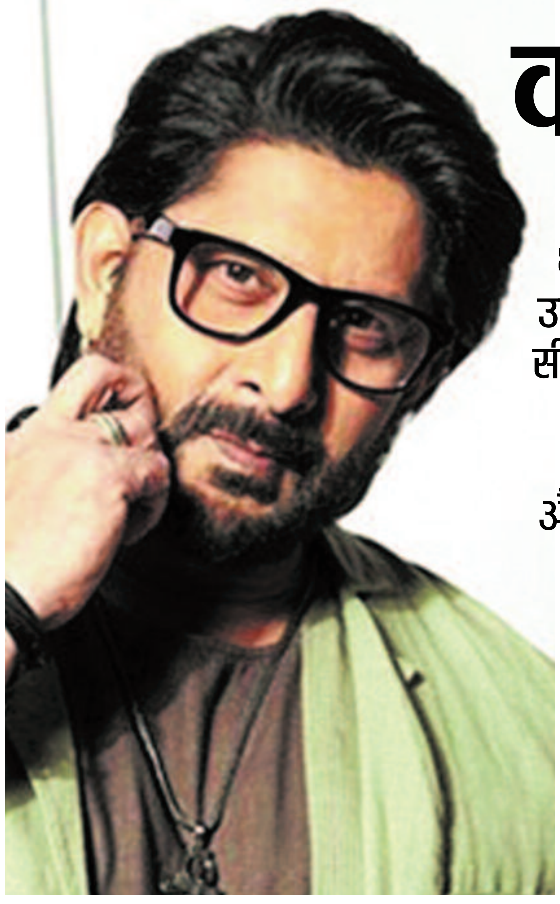

कॉमेडी के नाम पर दायरा क्रॉस नहीं कर सकते

एक्टर अरशद वारसी इस वक्त धमाल मचाने की तैयारी में हैं। उनकी तीन-चार फिल्में और एक सीरीज आ रही हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कॉमेडी से लेकर राजकुमार हिरानी संग काम, स्टारकिड्स और आज के स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

अपने तीस साल लंबे करियर में एक्टर अरशद वारसी ने हर तरह के किरदार निभाए हैं, मगर कॉमेडी के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। निजी जिंदगी में भी कमाल का सेंस ऑफ ह्यूमर रखने वाले अरशद वारसी 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'गोलमाल' और 'जॉली एलएलबी' जैसी यादगार कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। आने वाली दिनों में बड़े पर्दे पर वह 'गोलमाल 5', 'धमाल 4' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों में भी लोगों को हंसाने को तैयार हैं। वहीं, ओटीटी पर डार्क कॉमिडी सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' में इंस्पेक्टर पेड्रो की भूमिका में नजर आएंगे।

क्या इतनी सारी कॉमेडी फिल्मों के खुशनुमा माहौल ने अरशद को किसी तरह से बेहतर इंसान बनाया? इस पर वह कहते हैं, 'नहीं, नहीं, मैं हमेशा से ही खुशदिल इंसान हूं। मुझमें एक सेंस ऑफ ह्यूमर है और मेरे हिसाब से हर इंसान के लिए थोड़ा सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत जरूरी है। आपको खुद पर हंसना आना चाहिए। आज लोग छोटी-छोटी बातों पर सीरियस हो जाते हैं, मैं वाकई चाहूंगा कि वो ऐसा ना करें। जिंदगी को ज्यादा सीरियसली न लें। वैसे ही, हम सबकी जिंदगी में बहुत सारी तकलीफें हैं। हालात अजीब से होते जा रहे हैं, इसलिए आप छोटी-मोटी चीजों को छोड़ना सीखें। हमारी कॉमेडी फिल्में देखें, खुश रहें।'

इन दिनों एक ओर कॉमेडियन हास्य पर तरह-तरह के पाबंदियों का रोना रोते हैं, तो कॉमेडी के आपत्तिजनक और अश्लील होने को लेकर विवाद भी सामने आते रहते हैं। इस पर अरशद वारसी का मत एकदम साफ है कि आप दायरा नहीं क्रॉस कर सकते। बकौल अरशद, 'आप साफ कॉमेडी लिख सकते हैं। थोड़ा सा मुश्किल होता है लेकिन यह संभव है। यह भी संभव है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए कॉमेडी करें। मैं अक्सर जोक मारता रहता हूं, बहुत कुछ कहता रहता हूं, पर मुझे पता है कि मैं वो लाइन कभी नहीं क्रॉस करूंगा जिससे किसी को तकलीफ हो। मुझे पता होता है कि मैं किससे कह रहा हूं और क्या कह रहा हूं, वह जानना जरूरी है। आप वो दायरा क्रॉस नहीं कर सकते।

राजकुमार हिरानी और उनके बेटे संग काम का एक्सपीरियंस

सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' की एक खास बात यह है कि फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की इस डेब्यू सीरीज से उनके बेटे वीर हिरानी भी एक्टिंग में कदम रख रहे हैं। ऐसे में, पिता और बेटे दोनों की पहली फिल्म में काम करने के अनुभव पर पर अरशद ने अपने चुटीले अंदाज में कहा, 'मैं सोच रहा हूं कि उनके घर में जाकर रहने लगूं। कभी पिता से साथ काम पर चला जाऊं, कभी बेटे के साथ काम पर चला जाऊं (हंसते हैं)। असल में, मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे कभी नहीं लगा था कि वीर और मैं कभी साथ में काम करेंगे। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की शूटिंग के दौरान वह 4 साल का बच्चा था लेकिन बहुत अच्छा लगता है कि वीर की पहली फिल्म में मैं हूं। मैं चाहूंगा कि वो जिंदगी में बहुत अच्छा करे और मुझे यकीन है कि वो करेगा।' वहीं, फिल्मी बच्चों के फिल्म का ही रास्ता अख्तियार करने की बहस पर वह पलटकर सवाल करते हैं, 'वह राजू हिरानी का बेटा है तो उसमें उसकी क्या गलती है? ये हमारे बच्चे हैं उसमें उनकी क्या गलती है? मैं ऐसे सोचता हूं। बाकी, सबका अपना नजरिया है।'

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के मोटल में भीषण आग, तीन की मौत

वूस्टर , एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के वूस्टर शहर में बुधवार तड़के एक मोटल में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि तीन लोग कमरे में ही फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। दमकल विभाग ने उन्हें बचाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतकों में दो लोग मोटल के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। घटना में कोई अन्य घायल नहीं हुआ। आग लगने के समय मोटल की छत से ऊंची लपटें उठ रही थीं। अन्य कमरों में ठहरे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रीस में सत्तारूढ़ पार्टी नेताओं के घरों पर फायरबम हमला, एक महिला की मौत

थेसालोनिकी , एजेंसी। ग्रीस के थेसालोनिकी शहर में बुधवार तड़के सत्तारूढ़ न्यू डेमोक्रेसी पार्टी के नेताओं के घरों पर तीन फायरबम हमले किए गए। इन हमलों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने गैस सिलेंडर से बने देसी विस्फोटक इस्तेमाल किए। एक कार सत्तारूढ़ पार्टी की पूर्व संसदीय उम्मीदवार अफ्रोदिती नेस्टोरा की थी। वह झुलस गईं, जबकि उनकी मां ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने घटना की निंदा करते हुए इसे अंधी राजनीतिक हिंसा बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर चढ़कर बैनर लहराने पर दो गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित मशहूर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर बुधवार को दो लोग चढ़ गए और वहां 'प्यार की ताकत' का संदेश लिखे बैनर को लहरा दिया। दोनों ने ऊंचाई पर सेल्फी ली, एक-दूसरे को गले लगाया और किस भी किया। करीब आधे घंटे बाद वे नीचे उतरने लगे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि दोनों इमारत की सुरक्षा व्यवस्था को पार कर एंटीना तक कैसे पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान की स्वात घाटी में नाव पलटने से एक ही परिवार के छह की मौत, तीन लापता ; बचाव अभियान जारी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की स्वात घाटी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां की प्रसिद्ध सैफुल्ला झील में नौ पर्यटकों से भरी एक नाव पलट गई। इस हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस के अनुसार, नाव पर सवार सभी नौ लोग एक ही परिवार के थे। ये सभी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और स्वात घाटी के कलाम इलाके में घूमने आए थे। झील की सैर के दौरान अचानक नाव असंतुलित होकर पानी में पलट गई। हादसे की खबर मिलते ही 'रेस्क्यू 1122' की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने महोदंड इलाके के पास झील से छह शव बरामद कर लिए हैं। लापता तीन सदस्यों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। अधिकारी हादसे के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने इस घटना पर संज्ञान लिया है और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अगर इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अफगान मंत्री ने पाकिस्तान को दी खुली धमकी, कहा- हमने बड़ी ताकतों को हराया

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के सूचना और संस्कृति मंत्री शर अहमद हक्कानी ने बुधवार को पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अफगान लोग बाहरी दबाव या सैन्य हमलों से डरने वाले नहीं हैं। काबुल पहले ही उन विरोधियों पर जीत हासिल कर चुका है, जिनके पास उससे कहीं बेहतर हथियार और आधुनिक तकनीक थी। अफगानिस्तान स्थित 'आरियाना न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों की बौद्धिक, वैचारिक और पेशेवर क्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित सेमिनार में बोलते हुए हक्कानी ने कहा कि अफगानिस्तान को धमकियों से डराया नहीं जा सकता, क्योंकि अफगानिस्तान कई सालों से संघर्ष झेलता आया है। शर अहमद हक्कानी ने कहा कि जिन लोगों ने बेरहमी से बमबारी करके हमारे बच्चों को नींद में मार डाला, उनसे हम कहना चाहते हैं कि हम बम धमाकों और मुश्किलों से नहीं डरते। हमने उन लोगों को हराया है, जो आधुनिक तकनीक और हथियारों के मामले में आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर थे।

अरब सागर में अमेरिकी हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग, एक क्रू मेंबर लापता

मनामा, एजेंसी। अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक हेलीकॉप्टर को इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग करानी पड़ी. इसमें सवार 4 क्रू मेंबर में एक लापता हो गया.उसकी तालश के लिए अभियान चलाया गया है. यह जानकारी यूएस नेवल फोर्सेज सेंट्रल कमांड, जिसे यूएस 5ह्लद्ध फ्लीट भी कहा जाता है ने दी. एक्स पर एक पोस्ट में यूएस 5ह्लद्ध फ्लीट ने कहा, '1 जुलाई को सुबह 3:30 बजे ईटी पर यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश को सौंपे गए एमएच-60एस सी हॉक हेलीकॉप्टर के एयरक्रू ने अरब सागर में इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग की नेवी ने कहा, 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि इमरजेंसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी.' इसमें आगे कहा गया कि हेलीकॉप्टर के चार क्रू मेंबर में से तीन को निकाल लिया गया और उनकी हालत स्थिर है. उन्हें जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश पर रखा गया है.

अमेरिकी नेवी ने कहा कि बाकी क्रू मेंबर के लिए सर्च ऑपरेशन चल रहा है, और कहा, 'इस इलाके में अमेरिकी नेवी के एसेट्स अभी भी लापता दूसरे एयरक्रूमैन की तलाश कर रहे हैं.' नेवी ने आगे कहा कि घटना के कारण की 'जांच चल रही है.' इस बीच बुधवार (लोकल टाइम) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से चल रहा है. उन्होंने कतर में सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ सीधी हाई-लेवल बातचीत में ईरान के न होने के बावजूद तेहरान के साथ राजनयिक प्रगति को लेकर उम्मीद जताई. नॉर्थ डकोटा में नई बनी थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी देखने के लिए निकलते समय रिपोर्टर्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों को लेकर ईरान पर हाल ही में हुई मिलिट्री कार्रवाई के बाद तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बातचीत पॉजिटिव रूप से आगे बढ़ी है.

ट्रंप ने कहा, 'जहां तक ??बात है, ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है. उनकी बहुत अच्छी मीटिंग्स हुई है, और हम देखेंगे. हमने तीन रातों तक उन पर बहुत कड़ा प्रहार किया लेकिन हम बहुत अच्छी तरह से साथ चल रहे हैं. इसलिए मैं इसे परमाणु निरस्त्रीकरण कहता हूं. यह सब हो रहा है. यह सब ठीक चल रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालिया हमलों के बाद ईरान ने अपना रुख बदल लिया है. उन्होंने कहा, 'वे बहुत आगे बढ़ चुके हैं. हमने पिछले हफ्ते उन पर बहुत जोरदार हमला किया. वे ठीक हैं. हम इसे हासिल करने जा रहे हैं. यह ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण है. तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर वाशिंगटन की दीर्घकालिक स्थिति को दोहराते हुए, ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी. उन्होंने कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता. अन्यथा, ये सभी चीजें जो हम देखते हैं, ये सभी चीजें जो हम करते हैं, देश में कभी भी ऐसी गतिविधि नहीं रही जैसी अभी है.' ट्रम्प की टिप्पणी तब आई है जब ईरानी अधिकारियों ने दोहा में अमेरिका के साथ सीधे उच्च स्तरीय वार्ता में भाग नहीं लिया है.

4 में से 3 मिले : नौसेना ने कहा, 'ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह इमरजेंसी किसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी।' उन्होंने बताया, 'हेलीकॉप्टर के चार क्रू सदस्यों में से तीन को सुरक्षित निकाल लिया गया है और जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश पर उनकी हालत स्थिर है।' आगे जानकारी दी गई, 'क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नौसेना के संसाधन फिलहाल लापता चल रहे अन्य क्रू सदस्य की तलाश कर रहे हैं।'

खतरनाक है पानी पर लैंडिंग : रॉयटर्स के अनुसार, पानी पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग बेहद जोखिम भरी होती है, यहां तक कि माहिर पायलटों के लिए भी। इसकी वजह यह है कि हेलीकॉप्टर का ऊपरी हिस्सा काफी भारी होता है, जिससे पानी में डूबते ही उसके तुरंत पलट जाने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। इसके अलावा इस इलाके में तैनात अमेरिकी सैनिक भी पूरी तरह चौकन्ने हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम होने के बावजूद बीच-बीच में अचानक हिंसक झड़पें होती रहती हैं। ईरान और अमेरिका ने कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता में दोहा में परोक्ष वार्ता का एक नया दौर शुरू किया है। चारों पक्षों में यह चर्चा स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच सीधे संवाद के पहले दौर के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य पिछले महीने किए गए समझौते को लागू करना है। इसमें विशेष रूप से ईरान की रोकी गयी संपत्तियों और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने से जुड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पोलैंड हाई अलर्ट पर, बॉर्डर पर तैनात किए एयर डिफेंस सिस्टम, फाइटर जेट्स की हलचल बढ़ी

वारसॉ , एजेंसी। रूस ने एक बार फिर अपनी सैन्य आक्रामकता का परिचय देते हुए कीव पर अब तक के सबसे बड़े संयुक्त हवाई हमलों में से एक को अंजाम दिया। इस हमले में रूसी सेना ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स का एक साथ बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसने पूरे शहर की नींव हिलाकर रख दी। गुरुवार तड़के शुरू हुए इस भीषण हमले के बाद पूरे शहर में 'एयर रेड सायरन' गूंजने लगे और हजारों नागरिक अपनी जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों और गहरे भूमिगत बंकरों की ओर शरण लेने को मजबूर हो गए।

पोलैंड में हाई अलर्ट : रूस के इस हमले का असर केवल यूक्रेन की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। पड़ोसी देश और ह्वद्गह्र सदस्य पोलैंड ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल सक्रिय कर दिया है। पोलिश सेना ने एहतियात के तौर पर अपने स्न-16 लड़ाकू विमानों को उड़ान भरने के निर्देश दिए और अपने एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तथा रडार यूनिट्स को 'हाई अलर्ट' पर तैनात कर दिया है। पोलैंड ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम यूक्रेन से सटे सीमावर्ती इलाकों और अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

हमले में 11 लोग घायल : कीव के मेयर विताली क्लिट्स्को के अनुसार, रूसी मिसाइलों और ड्रोन्स ने शहर के कई महत्वपूर्ण और नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। मध्य कीव के प्रसिद्ध शेवचेंको बुलेवार्ड में स्थित एक होटल की ऊपरी मंजिलों में हमले के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें मीलों दूर से देखी जा सकती थीं। इसके अलावा, एक नौ मंजिला रिहायशी अपार्टमेंट का एक हिस्सा मिसाइल की चपेट में आकर ढह गया, जिससे कई लोग मलबे के नीचे दब गए। राहत और बचाव दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मलबे में फंसे लोगों को निकालने का काम शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, एक एंबुलेंस स्टेशन भी इस हमले की चपेट में आया, जहां एक पैरामेडिक गंभीर रूप से घायल हो गया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान में एक बार फिर हिली धरती, आया 5.5 तीव्रता का भूकंप; नुकसान की खबर नहीं

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप ने दहशत फैला दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्नस्) के अनुसार, बुधवार को जुर्म क्षेत्र के निकट 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र भूमि से 216.7 किलोमीटर (लगभग 135 मील) की काफी अधिक गहराई पर था। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर कंपन अपेक्षाकृत कम महसूस किया गया। अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

पहाड़ी इलाकों में अक्सर आते हैं भूकंप : बता दें कि अफगानिस्तान भारतीय टेक्टोनिक प्लेट और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट की सीमा पर स्थित है, जो इसे दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंप क्षेत्रों में से एक बनाता है। हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला इस क्षेत्र को और भी संवेदनशील बनाती है। उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत समेत पहाड़ी इलाकों में नियमित रूप से भूकंप आते रहते हैं, जिनके झटके अक्सर पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भारत के उत्तरी हिस्सों तक महसूस किए जाते हैं।

27 जून को आया था 6.2 तीव्रता का भूकंप : इससे पहले शनिवार 27 जून को भी उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। स्नस् के मुताबिक, इसका केंद्र बदख्शां प्रांत के जुर्म के पास 208 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान, उत्तरी भारत, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और किर्गिस्तान तक महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसे 215 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया और बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 7:04 बजे आया था। अफगानिस्तान के बदख्शां, बल्ख, नंगरहार और खोस्त समेत कई प्रांतों में तेज कंपन महसूस किया गया। काबुल में लोगों ने बताया था कि इमारतें हिलीं और कुछ इमारतों में दरारें भी पड़ गईं थीं। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हिंदू कुश क्षेत्र था। इसके झटके इस्लामाबाद के साथ-साथ पूर्वी पंजाब प्रांत और उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भी महसूस किए गए।

पाकिस्तान में 125 साल पुराने गुरुद्वारे पर चला बुलडोजर, भारत ने शहबाज सरकार को लगाई कड़ी फटकार

लाहौर , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला पंजाब प्रांत के फारूकाबाद का है, जहां 125 साल पुराने ऐतिहासिक 'गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब' के एक हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया गया। लाहौर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित इस पवित्र स्थल पर हुई इस कार्रवाई ने न केवल स्थानीय सिख समुदाय को झकझोर दिया है, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव भी बढ़ा दिया है।

भारत ने जताया कड़ा ऐतराज : गुरुद्वारे को गिराए जाने की खबर सामने आते ही भारत सरकार ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना को 'बेहद निंदनीय' और 'सोची-समझी बर्बरता' करार दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सिखों के एक सम्मानित धार्मिक स्थल के खिलाफ जानबूझकर की गई कार्रवाई है। भारत ने शहबाज शरीफ सरकार से मांग की है कि इस घिनौनी हरकत के दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जाए और गुरुद्वारे के क्षतिग्रस्त हिस्से का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए।

बिना एनओसी के ढहा दी गई विरासत : शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस ऐतिहासिक ढांचे को किसी सरकारी आदेश पर नहीं, बल्कि एक स्थानीय व्यवसायी की मनमानी के कारण ढहाया गया है। पंजाब सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, उक्त व्यवसायी ने संबंधित विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लिए बिना ही इस प्राचीन इमारत को गिराना शुरू कर दिया। सबसे गंभीर बात यह है कि स्थानीय प्रशासन और 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' ने तब तक कोई कार्रवाई नहीं की, जब तक कि सिख समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू नहीं कर दिया।

सिख समुदाय ने जताया विरोध : इस घटना के बाद पाकिस्तान के सिख समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है। लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों के दबाव में आकर पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने मामले का संज्ञान लिया है।

धार्मिक असहिष्णुता पर उठते सवाल : भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान में व्याप्त सांप्रदायिक हिंसा और धार्मिक असहिष्णुता के माहौल पर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों को निशाना बनाया गया है। भारत ने अपील की है कि पाकिस्तान सरकार केवल वादे न करे, बल्कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाए।

वेनेजुएला ने भूकंप पीड़ितों के लिए 7 दिनों का राष्ट्रीय शोक किया घोषित

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए शक्तिशाली भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।' रोड्रिगेज ने आगे कहा, 'खतरनाक भूकंपों से हुए इंसानी नुकसान से वेनेजुएला की आत्मा टूट गई है. न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंगलवार तक भूकंप से कम से कम 1,943 लोगों की मौत हो चुकी थी और 10,500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इससे पहले, पुर्तगाली सरकार ने भी वेनेजुएला में भूकंप के पीड़ितों, खासकर पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों के लिए रविवार (5 जुलाई) को राष्ट्रीय शोक दिवस मनाने की घोषणा की थी। पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय के नए अपडेट के मुताबिक, पुर्तगाली नागरिकों और पुर्तगाली मूल के लोगों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है, जिसमें 11 बच्चे शामिल हैं, जबकि 71 और लोग लापता हैं। आधिकारिक लुसा न्यूज एजेंसी के अनुसार, वेनेजुएला में रहने वाला पुर्तगाली समुदाय दुनिया भर में बसे पुर्तगाली प्रवासी समुदायों में सबसे बड़े समुदायों में से एक है। लैटिन अमेरिका में इसका स्थान ब्राजील के बाद दूसरा है। सामुदायिक अनुमानों के मुताबिक, पुर्तगाली मूल के लोगों सहित इस समुदाय की आबादी लगभग 12 लाख (1.2 मिलियन) है। पिछले हफ्ते, वेनेजुएला नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने घोषणा की कि ला गुएरा राज्य को बचाव के कामों में मदद करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलिट्री कंट्रोल में ले लिया गया है। ला गुएरा लगातार आए दो भूकंपों से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। रोड्रिगेज ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग के दौरान कहा, 'हम सभी को बताना चाहते हैं कि ला गुएरा राज्य अब पूरी तरह से मिलिट्री के कंट्रोल में है और पूरी तरह से बोलिवेरियन नेशनल आर्म्ड फोर्सेज के नियंत्रण में है। रोड्रिगेज ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अंदरूनी व्यवस्था बनाए रखने और वेनेजुएला के इमरजेंसी रेस्पॉन्डर्स और अंतरराष्ट्रीय बचाव दलों के रेस्क्यू ऑपरेशन को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि ज्यादातर रेस्क्यू करने वाले लोग काराबालेडा, मैकुटो, लॉस कोरालेस और कैटिया ला मार में काम कर रहे थे। ये ऐसे इलाके हैं जो भूकंप से बुरी तरह प्रभावित हुए थे।

सीमा विवाद पर नरम पड़ा नेपाल, विदेश मंत्री शिशिर खनाल बोले- भारत से बातचीत को हमेशा तैयार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक बहुत ही सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने संसद के ऊपरी सदन में बयान देते हुए कहा कि नेपाल हमेशा से भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खनाल ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच मौजूद बहुत ही मजबूत और करीबी रिश्तों पर विशेष रूप से जोर दिया। नेपाल सरकार ऐतिहासिक समझौतों और नक्शों के आधार पर ही इस पुराने मसले का शांतिपूर्ण समाधान पूरी तरह से चाहती है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भारत और नेपाल के बीच मौजूद करीबी संबंधों और संवेदनाओं का हमेशा से पूरा सम्मान करती है। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने मई में संसद में एक बहुत ही विवादित बयान दिया था जिस पर काफी बवाल मचा था। उन्होंने भारत पर नेपाल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था और इस मामले में चीन और ब्रिटेन को शामिल करने की बात कही थी। लेकिन अब विदेश मंत्री के इस नए बयान ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने और मजबूत करने की एक नई उम्मीद जगा दी है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के विवादित बयान के बाद भारत ने इस मुद्दे पर किसी भी तीसरे देश के दखल को पूरी तरह से और सिरे से खारिज कर दिया था। नेपाल के सभी विपक्षी दलों ने भी बालेन शाह के इस गैर-जरूरी और भड़काऊ बयान की बहुत ही कड़ी आलोचना की थी। बाद में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने अपनी सफाई जारी करते हुए कहा था कि पीएम का मतलब सिर्फ सीमा के दोनों ओर के स्थानीय लोगों की घुसपैठ से था।

सुस्ता सीमा पर आपसी तालमेल : दक्षिण नेपाल के सुस्ता क्षेत्र में चल रहे विवाद पर बात करते हुए विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास सारा काम आपसी तालमेल से हो रहा है। सुस्ता क्षेत्र में 132 मीटर लंबे तटबंध के निर्माण का काम भी दोनों देशों के बीच आपसी सहमति बनने के बाद ही तेजी से आगे बढ़ाया गया है। दोनों देशों की संबंधित संस्थाएं हमेशा एक-दूसरे के संपर्क में रहती हैं ताकि किसी भी तरह की कोई नई गलतफहमी पैदा न हो सके।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे इलाकों को लेकर बहुत ही पुराना सीमा विवाद लगातार चलता आ रहा है। भारत का हमेशा से यही स्पष्ट रुख रहा है कि ये सभी क्षेत्र उत्तराखंड का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाना चाहिए। दोनों देश अक्सर इन अहम क्षेत्रों पर अपना-अपना दावा मजबूती से करते रहे हैं जिसे सुलझाने के लिए अब कूटनीतिक पहल की जा रही है।

असद राज के खात्मे के बाद सीरिया में नई संसद तैयार, 70 सांसदों की लिस्ट हुई जारी

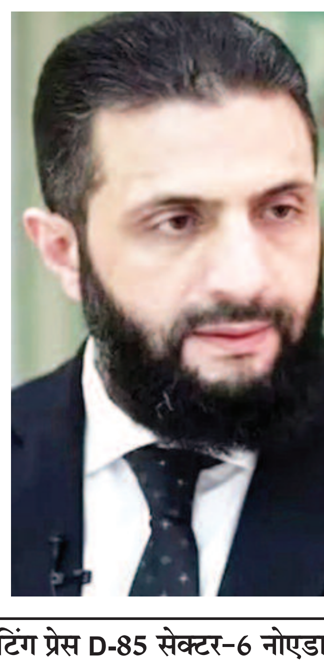

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में पांच दशक पुराने असद शासन के अंत के बाद अब पहली बार नई संसद का विधिवत गठन हुआ है। देश के नवनियुक्त अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने अपनी तरफ से 70 नए सांसदों की एक बहुत ही महत्वपूर्ण सूची को आधिकारिक तौर पर जारी किया है।

सीरियाई संसद का यह ऐतिहासिक पुनर्गठन पूरी दुनिया को दिखाता है कि देश अब शांति और नए कानून बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिसंबर 2024 में विद्रोहियों के बड़े हमले और अचानक हुए तख्तापलट के बाद से देश में कोई भी आधिकारिक संसद सुचारू रूप से काम नहीं कर रही थी। सीरिया की चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने बताया है कि इस नई संसद में कुल 210 सदस्य पूरी तरह से शामिल होंगे। इस नवनिर्वाचित संसद की सबसे पहली और अहम बैठक आने वाले सोमवार को राजधानी में बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की जाने वाली है। सीरिया देश बहुत लंबे समय तक असद परिवार के बेहद क्रूर शासन और भयंकर गृहयुद्ध की गहरी मार को लगातार अपने ऊपर झेलता आ रहा था। इस विनाशकारी और लंबे चले युद्ध में लगभग 5 लाख निर्दोष लोग अपनी जान गंवा चुके हैं जिससे पूरे देश को भारी जनहानि और नुकसान हुआ है।

महिलाओं की बढ़ी भागीदारी : अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा द्वारा चुनी गई 70 सांसदों की इस नई और महत्वपूर्ण लिस्ट में 15 महिलाओं को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। नई संसद की पहली बैठक में सभी नवनिर्वाचित सदस्य अपनी-अपनी शपथ लेंगे और संसद के प्रेसिडेंशियल काउंसिल का अहम चुनाव भी शांतिपूर्वक किया जाएगा। इन 15 नई महिलाओं के आधिकारिक रूप से जुड़ने के साथ ही अब सीरियाई संसद में महिला सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 22 हो गई है। यह शानदार कदम सीरिया की नई राजनीति में महिलाओं की बढ़ती हुई सक्रिय और महत्वपूर्ण भागीदारी को पूरी दुनिया के सामने बहुत ही स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सुवेदा के दो प्रतिनिधि शामिल : सीरिया में संसदीय चुनाव का पहला चरण पिछले साल अक्टूबर में हुआ था लेकिन दक्षिणी प्रांत सुवेदा को इससे पूरी तरह से अलग रखा गया था। सुवेदा पर द्रूज बंदूकधारियों का पूरा कंट्रोल है जो केंद्र सरकार के विरोधी हैं और वहां चुनाव के लिए अभी कोई भी तारीख तय नहीं की गई है।

इसके बावजूद अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा की ओर से जारी की गई लिस्ट में इस विशेष क्षेत्र के 2 प्रतिनिधियों को खास तौर पर शामिल कर लिया गया है। वहीं पूर्वोत्तर सीरिया में हिंसक झड़पों के बाद सरकारी बलों के पूर्ण कब्जे के कारण इस साल मई महीने में शांतिपूर्वक मतदान का काम पूरा कराया गया था।

नया चुनाव कानून बनाना लक्ष्य : चुनाव समिति के प्रमुख अल-अहमद के मुताबिक इस नवगठित संसद का पूरा कार्यकाल सिर्फ 30 महीने का ही सख्ती के साथ निर्धारित किया गया है। इस पूरे तय समय के दौरान संसद का सबसे मुख्य और अहम काम देश के लिए एक बिल्कुल नया और पारदर्शी चुनाव कानून तैयार करना होगा। यह नई संसद अगले चुनावों में जनता के लिए पूर्ण मतदान कराने की खातिर एक बहुत ही मजबूत और सुरक्षित जमीन तैयार करने का अहम काम करेगी। असद राज खत्म होने के बाद अब सीरिया की आम जनता को इस नई अंतरिम सरकार और संसद से बहुत ही ज्यादा उम्मीदें पूरी तरह से बंधी हुई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)